VRINDAVAN Books International

BASED ON
NEP/NCF

भव्या

हिंदी पाठ्य पुस्तक

Teacher's Manual

Class 6 to 8

Written by :
Author's Team
(Vidyalaya Prakashan)

Vrindavan Books International
New Delhi

INDEX

Sl. No.	Book Name	Page No.
1.	भव्या – 6	3
2.	भव्या – 7	31
3.	भव्या – 8	65

पाठ–1 : ऐसा देश है मेरा

खण्ड 'क'

क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–

1. बहन 2. प्यारा 3. कुरूप

4. सौभाग्य का चिह्न है 5. खिल उठते हैं।

ख. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–

1. भर–भर 2. मेंहदी 3. शिक्षाप्रद

4. समीप 5. साधारण 6. उचित

ग. सही मिलान कीजिए–

स्तम्भ 'अ'	स्तम्भ 'ब'
1. चारपाई	क. चारपाइयाँ
2. कालोनी	ख कालोनियाँ
3. मोहल्ला	ग. मोहल्ले
4. प्रतिज्ञा	घ. प्रतिज्ञाएँ
5. भारतवासी	ङ. भारतवासियों
6. नववधू	च. नववधुएँ
7. बारात	छ. बारातें
8. माता	ज. माताएँ

घ. सत्य/असत्य लिखिए:–

1. सत्य 2. सत्य 3. सत्य

4. सत्य 5. सत्य 6. सत्य

ङ. निम्नलिखित मुहावरों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

1. पैर पसारना : आराम से लेटना–काम खत्म करने के बाद मजदूर पैर पसार कर सो गया।

2. नित नवीन : हमेशा नया लगना – पुरानी गाथाएँ कितनी बार भी सुनी जाएँ, फिर भी नित नवीन ही लगती है।

3. सुख दुःख साझा करना : सुख–दुःख बाँटना – गली मोहल्लों में लोग आज भी सुख–दुःख साझा करते हैं।

4. आनंद का दरिया उमड़ना : बहुत खुश होना – छुट्टियों में मसूरी घूमने की बात पर बच्चों के मन में आनंद का दरिया उमड़ने लगा।

5. दूर के ढोल सुहावने : दूर की वस्तु अच्छी दिखना – रमेश को मुम्बई पहुँच कर पता चला कि दूर के ढोल सुहावने लगते हैं।

खण्ड 'ख'

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

1. होली की लोकगाथा में संकेत रूप से बताया गया है कि किस प्रकार सत्य की रक्षा स्वयं प्रकृति या ईश्वरीय शक्ति करती है।
2. मध्यवर्गीय गली–मोहल्लों में आज भी घर के सामने चारपाई और कुर्सियों पर झुंड–के– झुंड गप्पें मारते, ठहाके लगाते और सुख–दुःख साझा करते अवश्य ही मिल जाएँगे।
3. भारत के बच्चे को आज भी माँ का कंधा व गोद सहज मिल जाती है?
4. हमारी अपनी ही भूलों ने हमारे देश की स्वर्णिम छवि को धूमिल बना दिया है। प्रथम भूल है–अंधाधुंध बढ़ती जनसंख्या और दूसरी भूल है–नैतिक मूल्यों की अवहेलना।

ख. भाषा–बोधन –

नीचे लिखे शब्दों में स्त्रीलिंग व पुल्लिंग शब्दों को छाँटकर अलग–अलग लिखिए–

स्त्रीलिंग	**पुल्लिंग**
चारपाई	मोहल्ला
कॉलोनी	झुंड
दीपावली	जीवन
होली	दशहरा
प्रतिज्ञा	

ग. अनुमान एवं कल्पना –

1. व 2. स्वयं कीजिए।

पाठ–2 : ऋतुएँ

खण्ड 'क'

क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–

1. गर्म 2. बरसात 3. सरसों
4. सर्दी 5. ऋतुएँ 6. गर्मियों में

ख. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–

1. निराली 2. सर्दी 3. के रंग
4. बरसा 5. हाथ 6. तपता

ग. सही मिलान कीजिए–

स्तम्भ 'अ'	स्तम्भ 'ब'
1. डर	क. निडर
2. सूरज	ख. चाँद
3. गर्मी	ग सर्दी
4. शाम	घ. सुबह
5. कम	ङ. बहुत
6. धरती	च. आकाश

घ. सत्य/असत्य लिखिए –

1. असत्य 2. असत्य 3. सत्य
4. सत्य 5. सत्य 6. सत्य

ङ. निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन रूप लिखिए–

1. पंखे 2. रातें 3. घंटे
4. हवाएँ 5. बूँदे 6. खुशियाँ
7. सर्दियाँ 8. ऋतुएँ

खण्ड 'ख'

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. काली घनघोर घटाएँ बरसात में छा जाती हैं।
2. जब बहुत गर्मी पड़ती हैं और गर्म हवाएँ (लू) चलती है तब लोग घरों से निकलने से डरते हैं ।
3. गर्मियों में सब के हाथ में पंखा रहता है ।

4. सरसों फूलने लगती हैं तो बंसत ऋतु के आने का पता चलता है।

5. बादल – मेघ, जलधर, जलद

   फूल – सुमन, कुसुम, पुष्प

   सूरज – रवि, भानू, सूर्य

ख. कविता के अनुसार शब्दों को तुक मिलाते हुए जोड़े बनाकर लिखिए–

1. सूरज तपता	2. धरती जलती
3. पसीना बहता	4. बिजली चमकी
5. सर्दी निराली	6. खुशियाँ बिखराती

ग. जिन ऋतुओं में ये उत्सव/त्योहार मनाए जाते हैं, उन ऋतुओं के नाम तथा महीनों के नाम लिखिए–

1. ग्रीष्म, मार्च	2. शीत, नवंबर	3. वर्षा, अगस्त
4. शीत, दिसंबर	5. वर्षा, अगस्त	

पाठ – 3 : मातृभाषा

खण्ड 'क'

क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–

1. कल्याणमयी	2. अज्ञानता	3. संत जैसी संतान पर
4. मातृभाषा को	5. ज्ञान का दीपक	6. प्रस्तुत कविता को

ख. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–

1. केद	2. कल्याणकारी	3. यज्ञ
4. ज्ञान	5. हिन्दी	6. पाने

ग. सही मिलान कीजिए–

स्तम्भ 'अ'	**स्तम्भ 'ब'**
1. प्रशस्त	क. प्रकाशित
2. सरीखी	ख. जैसी
3. स्वीकृत	ग. मंजूर
4. स्वस्ति	घ. कल्याणकारी
5. अर्चना	ङ. पूजा
6. स्तुती	च. श्रद्धा से किया गया गुणगान

घ. सत्य/असत्य लिखिए –

1. असत्य 2. असत्य 3. असत्य

4. सत्य

ङ. निम्नलिखित शब्दों के विलोम लिखिए–

1. अमंगलमयी 2. ज्ञान 3. निरर्थक

4. वरीखी 5. निंदा 6. अस्वीकृत

खण्ड 'ख'

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. हमारी मातृभाषा हिन्दी है। हिंदी भाषा शुभ कल्याण करने वाली है।
2. कवयित्री ने मातृभाषा से निवेदन किया है कि हिंदी सभी के लिए कल्याणकारी हो।
3. मातृभाषा को संत जैसी संतान पर गर्व का अनुभव होता है।
4. कवयित्री ने मातृभाषा से कविता को सार्थक बनाने का वर माँगा है।
5. आशय स्पष्ट कीजिए–

   (अ) श्रद्धा से किए गए गुणगान रूपी यज्ञ में मेरी आहुति स्वीकार करो।

   (ब) अज्ञानता की कैद को तोड़कर ज्ञान की धारा बहा दो।

ख. भाषा–बोधन–

1. सेवा–अर्चन करती।

2. (ब) कल्याणी (स) उजियारा (द) मंगलमयी

पाठ – 4 : पूस की रात

खण्ड 'क'

क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–

1. रुपए 2. गाली क्यों देगा 3. चिलम

4. हड्डी 5. उदास हुई

6. हल्कू ने प्रसन्न मुख से कहा

ख. रिक्त स्थान भरिए–

1. अनिश्चित दशा 2. हृदय 3. प्रेम

4. छतरी 5. जहर

ग. किसने, किससे कहा –

1. मुन्नी ने हलकू से कहा	2. हलकू ने मुन्नी से कहा
3. मुन्नी ने हलकू से कहा	4. हलकू ने मुन्नी से कहा
5. मुन्नी ने हलकू से कहा	6. हलकू ने मुन्नी से कहा

घ. सत्य/असत्य लिखिए –

1. असत्य	2. सत्य	3. सत्य
4. असत्य	5. असत्य	6. सत्य

ङ. सही मिलान कीजिए –

शब्द	**'पर्यायवाची'**
1. आग	क. अनल, अग्नि, ज्वाला
2. वृक्ष	ख. पेड़, विटप, तरू, पादप
3. अंधकार	ग. तिमिर, तम, अँधेरा
4. आँख	घ. नेत्र, लोचन, नयन
5. पत्ता	ङ. पर्ण, पत्र, पात
6. कान	च. कर्ण, कर्णेंद्रिय
7. दुःख	छ. पीड़ा, कष्ट, शोक
8. पवन	ज. वायु, अनिल, समीर

खण्ड 'ख'

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए:–

1. हल्कू ने तीन रुपए कंबल खरीदने के लिए जमा किए थे। यदि सहना वह रूपए ले जाता तो वह पूस के महीने की सर्द भरी रात खेत में केसे बिताएगा, यही सोचकर हल्कू सहना को रुपए देने से कतरा रहा था।
2. मुन्नी पीछे फिरकर बोली, ''तीन ही तो रुपए हैं; दे दोगे तो कम्बल कहाँ से आवेगा? माघ-पूस की रात हार में कैसे कटेगी? उससे कह दो, फसल पर रुपए दे देंगे। अभी नहीं हैं।''
3. मुन्नी खेती से मजदूरी को बेहतर इसलिए मानती थी क्योंकि खेत में कड़ी मेहनत करने पर भी उन्हें कुछ न बचता था। उनकी सारी मेहनत को कमाई सहना को खेत का कर देने में चली जाती थी। मजदूरी करके वे सुख से रोटी खाऐंगे साथ ही किसी की धौंस नहीं सहनी पड़ती ।

4. ठंड से बचने के लिए हल्कू ने सोचा कि पतझड़ में आम के बाग में जो पत्तियों को ढेर लगा हुआ है, उन्हें बटोरकर अलाव जलाकर आग ताप लेगा।
5. फसल को नष्ट होता जानकर भी हल्कू ने उसे बचाने का प्रयत्न इसलिए नहीं किया क्योंकि वह उस जाड़े-पाले के खेत में जाकर जानवरों के पीछे नहीं भागना चाहता था। साथ ही हल्कू ने मजदूरी करने का मन बना लिया था।
6. किसानों को विभिन्न प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। जैसे : किसानों का भूमि पर अधिकार नहीं हैं। जमीनों का एक बड़ा हिस्सा, महाजनों और साहूकारों के पास होता है जिस पर छोटे किसान काम करते हैं। ऐसे में अगर फसल अच्छी नहीं होती तो किसान कर्ज में डूब जाते हैं। किसानों की एक बड़ी समस्या यह भी है कि उन्हें फसलों पर सही मूल्य नहीं मिलता। अच्छी फसल के लिए किसानों के पास अच्छे बीज नहीं होते। भूमिगत जल के गिरता स्तर भी किसानों की समस्याओं का कारण है।

ख. भाषा-बोधन -

1. पूस, घुड़किया, टप्पे, उखाड़, दंदाया, मालगुजारी
2. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए:-
   1. **गला तो छूटे :** मुसीबत से पीछा छूटे - कर्जा चुकाने के बाद सुमित ने कहा चलो गला तो छूटा बैंक वालों से।
   2. **खुशामद करना :** मिन्नतें करना - राजू को बहुत खुशामद करने पर एक दिन की छुट्टी मिली।
   3. **आँखे तरेरना : गुस्सा दिखाना** - मुन्नी ने आँखे तरेर कर हल्कू से कहा कि वह रुपए नहीं देगी।
   4. **मन बहलाना :** पिक्चर की टिकट नहीं मिली तो बच्चों ने पार्क जाकर ही मन बहला लिया।

पाठ - 5 : असली माँ

खण्ड 'क'

क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए-

1. मिलनसार 2. सबसे छोटी 3. प्यार
4. दुर्भाग्यशाली 5. उन्हें वह अपनी बेटी की तरह लगती थी
6. क्योंकि उनकी बेटी दस साल की थी

ख. रिक्त स्थान भरिए-

1. अपने पास	2. सुख	3. रूआँसी
4. बुलाएँगी	5. छोटी बहन	6. जलाई

ग. किसने, किससे कहा –

1. मिसेज जेम्स ने निधि से
2. पूजा और सुनील ने निधि से
3. मिसेज जेम्स ने निधि की मौसी से
4. माँ ने पूजा और सुनील से
5. सुनील ने निधि से
6. निधि ने मिसेज जेम्स से

घ. सत्य/असत्य लिखिए:-

1. सत्य	2. सत्य	3. सत्य
4. असत्य	5. सत्य	6. सत्य

ङ. सही मिलान कीजिए –

स्तम्भ 'अ'	**स्तम्भ 'ब'**
1. मिलनसार	क. गुणबोधक
2. नीला-नीला	ख. रंगबोधक
3. छोटा-बड़ा	ग. आकारबोधक
4. प्रौढ़	घ. अवस्थाबोधक
5. मीठा-कड़वा	ङ. स्वादबोधक
6. कोमल	च. स्पर्शबोधक
7. नया	छ. कालबोधक
8. बीमार	ज. दशाबोधक

खण्ड 'ख'

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

1. वे दोनों निधि को चिढ़ाते। कहते, ''निधि, मिसेज जेम्स ही तेरी 'असली माँ' हैं।''
2. निधि ने चॉकलेट लेने के लिए हाथ बढ़ाया, तभी उसकी नजर दूर खड़े सुनील पर गई। उसने तुरंत अपना हाथ पीछे खींच लिया। बोली, ''नहीं !

आंटी, मैंने चॉकलेट खाना छोड़ दिया है। मम्मी कहती हैं इससे दाँत खराब हो जाते हैं और पेट भी खराब हो जाता है।''

3. वह जानती थी कि भैया और दीदी उसे वहाँ भी चिढ़ाएँगे, पर वह जेम्स आंटी के साथ खाना खाने से बच जाएगी। इसलिए निधि ने लाल टिब्बा जाने की जिद की।
4. निधि ने देखा कार्निस पर फ्रेम में जड़ा बच्ची का एक फोटो रखा है। मोमबत्तियाँ उसी के दोनों ओर रखी जल रही हैं। नीचे छोटी-सी मेज पर एक सजा हुआ केक रखा है। केक पर लगी हुई मोमबत्तियाँ अभी जलाई ही नहीं गई थीं।
5. मिसेज जेम्स ने केक पर दस मोमबत्तियाँ लगा रही थी, क्योंकि दो साल पहले उसकी बेटी अचानक मर गई। अगर आज वह होती तो दस साल की होती।''
6. स्वयं कीजिए।

ख. भाषा-बोधन -

1. नीचे दी गई तालिका में शब्दों को उनके समानार्थी या मिलते-जुलते शब्दों से मिलाइए -

शब्द	**समानार्थी**
दवाई	औषधि
हिदायत	चेतावनी
दर्द	पीड़ा
खुशकिस्मत	भाग्यवान
मजा	आनंद
ढूँढना	खोजना

2. कुछ क्रियाएँ अनुकरण पर बनती हैं, वे अनुकरणात्मक क्रियाएँ कहलाती है; जैसे -

खटखटाना	भिनभिनाना
चींचीयाना	टिमटिमाना

पाठ - 6 : छुटपन की छुट्टियाँ

खण्ड 'क'

क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए-

1. टेढ़ी खीर है 2. मन पक्का करना
3. हँसी-मजाक करते हैं और ऊधम मचाते हैं
4. मिट्टी के तंदूर पर 5. छुट्टियाँ खत्म होने पर
6. मौसी व चाची के बच्चों को ले जाने की

ख. रिक्त स्थान भरिए-

1. असंभव 2. छोड़ने 3. खलनायिकाएँ
4. तीन घंटे 5. दुल्हन

ग. सत्य/असत्य लिखिए:-

1. असत्य 2. सत्य 3. असत्य
4. असत्य 5. सत्य 6. असत्य

घ. निम्नलिखित शब्दों के विलोम लिखिए -

1. अहित 2. सर्दियाँ 3. कड़वी
4. कम 5. आशा 6. बुढ़ापा
7. भरा 8. उजाला

खण्ड 'ख'

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए:-

1. बचपन में छुट्टियों में लेखिका की सारी दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो जाती थी। लेखिका की समस्या यह थी कि वह छुट्टियों में अपना समय कैसे व्यतीत करें। छुट्टियाँ बिताने का कोई साधन न मिलने के कारण जब लेखिका निराश हो जाती थी, तब मौसी और चाची के बच्चों के आ जाने पर घर में उल्लास का उफान आ जाता था।
2. मौसी की बेटी आ जाने से उल्लास का उफान आ गया। बातें न जाने किस गहरी अतल खाई से निकलतीं कि जितनी भी करो खत्म होने का नाम ही न लेतीं...। बीच-बीच में हमारे हँसी के ठहाके और माँ की हिदायतें जारी रहतीं। सुबह-सुबह लम्बी दलीलें ... 'देर तक सोने वाले कभी कामयाब नहीं होते हैं।'

3. पुराने जमाने के 'पिताजी' डरावा देने का अचूक साधन हुआ करते थे। उस समय के अधिकांश पिता घर में अनुशासन के लिए अपने बच्चों के साथ एक दूरी बनाकर चलते थे। बच्चे भी भय और लिहाज के कारण अपने विचार प्रकट करने में संकोच करते थे। परन्तु आधुनिक समय के 'पापा' बच्चों के दोस्त के समान रहते हैं, वे चाहते हैं कि बच्चे उनसे खुलकर अपने विचार प्रकट करें।
4. पिताजी के घर से चले जाने के बाद कोई पलंग से छलाँगे मार-मारकर स्वयं को लंबी कूद का सफल खिलाड़ी घोषित करने में लग जाता तो कोई चारपाई तिरछी कर उसे झूले का रूप दे देता। घर आए गर्मियों के छोटे-छोटे संगी-साथी अर्थात् मौसी, चाची आदि के बच्चों का दल भी इन सभी अभियानों में जोर-शोर से शामिल होता।
5. छुट्टियों के अंतिम दिनों में एक मिला-जुला अनुभव होता है। एक ओर छुट्टियाँ जल्द ही समाप्त होने के कारण मन विह्वल होता है और दूसरी और विद्यालय खुलने पर अपने मित्रों, सहपाठियों और अध्यापकों से मिलने का उत्साह मन में नई उमंग भर देता है।

ख. भाषा-बोधन

1. नीचे दिए गये शब्दों को उनके सही कॉलम में लिखिए -

हिंदी	उर्दू	अंग्रेजी
शुभमांगलिक	हिदायतें	आंटियाँ
पिताजी	नामुराद	पापा
विधिवत	सख्त	
खलनायिकाएँ	दलील	
अचूक	मनाही	
	कामयाब	

2.

1. जोरो-शोरो	2. मतलब-सारी	3. एक-दो
4. खाली-खाली	5. एक-दूसरे	6. परिक्षा-परिणाम
7. ताल-मेल	8. बीच-बीच	9. सुबह-सुबह
10. पहले-पहल		

पाठ - 7 : भैया की चिट्ठी

खण्ड 'क'

क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–

1. प्रश्नवाचक 2. सुता 3. पत्र
4. बीजी की तबियत बहुत खराब है 5. बीमार पड़ जाती हैं
6. जीजी

ख. रिक्त स्थान भरिए–

1. पत्र 2. खराब 3. पानी
4. उत्सुक 5. झुँझलाहट 6. लिखा

ग. किसने, किससे कहा–

1. जीजा जी ने बहन जी से 2. बहन ने जीजा जी से
3. ताँगे वाले ने जीजाजी से 4. बीजी ने अपने आप से
5. सतीश ने बहन जी से 6. जीजाजी ने बहन जी से

घ. सत्य/असत्य लिखिए–

1. सत्य 2. सत्य 3. सत्य
4. असत्य 5. सत्य 6. सत्य

घ. निम्नलिखित शब्दों के विलोम लिखिए –

1. सच 2. दिन 3. निरुत्साह, निराश
4. प्रसन्न 5. अनुचित 6. पूरी
7. खेद 8. बड़ी 9. अव्यस्त
10. घृणा

खण्ड 'ख'

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए:–

1. सतीश ने अपने पत्र में लिखा था। बीजी की तबीयत बहुत खराब हो गई है। सभी डॉक्टरों को दिखा लिया है। अब उनके बचने की उम्मीद कम ही है।
2. पत्र पाकर बहन जी ने बीजी को देखने जाने का निर्णय लिया।
3. अचानक बादल घिर आए बारिश भी पड़ने लगी थी। किसी तरह गाँव पहुँचे तो ताँगे वाले ने बताया कि धनकोटा में तो घुटनों–घुटनों पानी भरा है इसलिए एक मील दूर ही उनको ताँगें से उतार दिया। बाकी रास्ता पैदल चलकर तय

किया। रात 1 बजे थके माँदे गाँव पहुँचे। इस प्रकार बहन जी व उनके परिवार वालो को अनेक दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

4. अपनी माँ के घर जाकर बहन जी को पता चला कि बीजी बीमार नहीं है। वह भली चँगी है।
5. हमारे विचार से सतीश का इस प्रकार पत्र लिखना अनुचित है।

ख. भाषा–बोधन –

ऊपर दिए गए सभी उदाहरण एकांकी में से लिए गए हैं। आप इन वाक्यों के एक–एक उदाहरण स्वयं लिखिए:–

1. ''बीजी भली–चंगी हैं।''
2. ''गाँव कब आ रहे हो ?''
3. ''आपके आने की कोई खबर नहीं मिली।''
4. ''चलो इसे माफ कर दो।''

पाठ – 8 : भक्ति के पद

खण्ड 'क'

क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–

1. अपनी आँखों में 2. मधुर 3. संतजनों को
4. कृष्ण के सौन्दर्य का 5. नाव चालक
6. दर्शन

ख. रिक्त स्थान भरिए–

1. जाति बरन 2. नाम 3. तड़पै
4. नैना 5. प्रीतम

ग. सही मिलान कीजिए–

स्तम्भ 'अ'	**स्तम्भ 'ब'**
1. कटि	च. कमर
2. छुद्र	छ. छोटी
3. उर	झ. हृदय
4. सुधारस	ङ अमृत रस
5. भाल	ज. माथा

6. अरून ङ. लाल

7. निमिख ग. क्षण भर

8. बासर घ. दिन

9. जिव ख. जीवात्मा

10. मेहर क. कृपा

घ. सत्य/असत्य लिखिए-

1. असत्य	2. सत्य	3. सत्य
4. सत्य	5. सत्य	6. सत्य

ङ. निम्नलिखित भावों पर एक-एक वाक्य की रचना कीजिए -

1. हनुमान जी ने सच्चे मन से राम की भक्ति की।
2. हास्य कविता सुनने की श्रोताओं के ठहाके गूजने लगें।
3. सेठ की बात सुनकर भिखारी को क्रोध आ गया।
4. रवि एक वीर बालक है।
5. माता-पिता का संतान पर होने वाला वात्सल्य सच्चा होता है।

खण्ड 'ख'

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

1. मीरा कृष्ण को आँखों में बसाना चाहती हैं।
2. मीरा श्रीकृष्ण के रूप का वर्णन करते हुए कहती हैं कि उनके सिर पर मोर के पंखों का मुकुट है, कानों में मछली के आकार के कुंडल, माथे पर लाल तिलक और गले में वैजंती फूलों की माला है। बड़े-बड़े नयन और साँवली सूरत कृष्ण का यह रूप मनमोहक होता है।
3. वह राम रतन धन नाम की पूँजी है, जिसे चोर चुरा नहीं सकता और जो रात-दिन बढ़ती ही जाती है।
4. 'कागा से हंस होना' दुर्जन व्यक्ति से सज्जन बनने का सूचक है। प्रस्तुत दोहे में कबीर कहते हैं कि यदि सच्चा गुरु मिल जाए तो कौए के समान दुर्जन मनुष्य किसी भी जाति या कुल का हो वह भी हंस के समान अच्छा बन जाता है।
5. कबीर सतगुरु के विरह में प्रतिदिन तड़पते रहते हैं।

ख. भाषा-बोधन -

नीचे दिए गए शब्दों के सामने उस शब्द का शुद्ध हिंदी रूप लिखिए -

मूरति	- मूर्ति	भगत	- भक्त
बछल	- वत्सल	किरपा	- कृपा
जस	- यश	बहि	- बाहर
अगिनि	- अग्नि	दयार	- दयालु
डारै	- डाले	नाही	- नहीं

पाठ - 9 : महात्मा गांधी

खण्ड 'क'

क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए-

1. मोहनदास 2. सत्य और अहिंसा 3. बुरा

4. काले लोग 5. 15 अगस्त 1947 6. परतंत्र

ख. रिक्त स्थान भरिए-

1. साहसी 2. अहिंसा 3. वकालत

4. विख्यात 5. शासन 6. कई बार

ग. सही मिलान कीजिए-

शब्द	**विलोम**
1. बचपन	ङ. बुढ़ापा
2. आजादी	च. गुलामी
3. साहसी	छ. डरपोक
4. सत्य	ज. असत्य
5. हिंसा	झ. अहिंसा
6. उदार	ख. क्रूर
7. स्वतंत्र	ग. परतंत्र
8. न्याय	घ. अन्याय
9. स्वदेशी	क. विदेशी

घ. सत्य/असत्य लिखिए-

1. सत्य	2. सत्य	3. सत्य
4. सत्य	5. सत्य	6. असत्य

ङ. निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन रूप लिखिए -

1. चरखे	2. महिलाएँ	3. मुकद्दमें
4. अंग्रेजों	5. लोग	6. भारतीयों
7. देशों	8. लड़ाइयों	9. गरीबों
10. वस्तुएँ		

खण्ड 'ख'

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए:-

1. स्कूल की पढ़ाई करने के बाद महात्मा गांधी कानून की पढ़ाई करने के लिए इंग्लैण्ड चले गए।
2. गांधी जी को भारतीयों के साथ होने वाला अन्याय अच्छा नहीं लगा, इसके लिए उन्होंने भारत में सत्याग्रह आंदोलन शुरू किया।
3. गांधी जी ने देश स्वतंत्र कराने के लिए सत्याग्रह आंदोलन शुरू किया।
4. गांधी जी के साथ कई बड़े-बड़े नेता नेहरू, पटेल और सुभाष आदि नेता आजादी की लड़ाई में कूद पड़े।
5. गांधी जी की मृत्यु 30 जनवरी, 1948 को हुई थी।

पाठ - 10 : महान दार्शनिक एवं विचारक

खण्ड 'क'

क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए-

1. शारदा देवी से	2. माँ काली	3. हीरानंद
4. पर्शियन भाषा	5. परमहंस	

ख. रिक्त स्थान भरिए-

1. आश्चर्य	2. खोकर	3. शिशु
4. अध्ययनप्रिय	5. कामनाओं	6. कविता

ग. सत्य/असत्य लिखिए -

1. सत्य	2. सत्य	3. सत्य

4. सत्य 5. सत्य 6. सत्य

घ. निम्नलिखित शब्दों के विलोम लिखिए -

1. मरण 2. ज्ञानी 3. अनुरक्त

4. अशांति 5. धनी 6. दुर्लभ

7. नवीन 8. कोमल

खण्ड 'ख'

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए:-

1. रामकृष्ण परमहंस को दक्षिणेश्वर के काली मंदिर में पुजारी के रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया।
2. भारतीय आध्यात्मिक साधना में 'हंस' जीवात्मा के मुक्त स्वरूप को कहा जाता है। परम मुक्ति को प्राप्त व्यक्ति ही परमहंस कहलाते हैं।
3. रामकृष्ण परमहंस ने अपनी सारी ज्ञान-संपदा अपने शिष्य नरेंद्रनाथ दत्त को सौंप दी।
4. स्वामी रामतीर्थ ने जापान, अमेरिका तथा मिश्र आदि स्थानों पर अपने प्रवचन दिए।
5. 1. गुरु नानक, 2. स्वामी विवेकानंद

ख. भाषा-बोधन -

1. इसी प्रकार लिखिए-

लघु	-	लघुतर	लघुतम
वरिष्ठ	-	वरिष्ठतर	वरिष्ठतम
प्राचीन	-	प्राचीनतर	प्राचीनतम
मधुर	-	मधुरतर	मधुरतम
श्रेष्ठ	-	श्रेष्ठतर	श्रेष्ठतम
घनिष्ठ	-	घनिष्ठतर	घनिष्ठतम

2. इसी प्रकार, नीचे लिखे वाक्यों के शुद्ध रूप लिखिए '

अ. यह बात किसने कही ?

ब. राधा तुझे (तुम्हें) बुला रही थी।

स. हमने काम कर लिया है।

द. वे दौड़ रहे थे।

पाठ - 11 : स्वास्थ्य और पर्यावरण

खण्ड 'क'

क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए-

1. ध्वनि प्रदूषण 2. दोनों 'अ' व 'ब' 3. दोनों 'अ' व 'ब'
4. वैरागी 5. वैचारिक
6. अंधाधुंध पेड़ों को काटना

ख. रिक्त स्थान भरिए-

1. सीमा 2. घटती 3. लंबी-चौड़ी
4. बिमारियाँ 5. स्वच्छता 6. तोड़े बिना

ग. सही मिलान कीजिए-

स्तम्भ 'अ'	स्तम्भ 'ब'
1. खतरा	ग. खतरों
2. प्रदूषण	ट. प्रदूषणों
3. ध्वनि	च. ध्वनियाँ
4. कहानी	छ. कहानियाँ
5. फल	ज. फलों
6. फूल	झ. फूलों
7. इमारत	ञ. इमारतें
8. आशा	ङ. आशाएँ
9. रसायन	घ. रसायनों
10. विचार	ख. विचारों
11. सद्‌गुण	क. सद्‌गुणों

घ. सत्य/असत्य लिखिए -

1. असत्य 2. सत्य
3. सत्य 4. सत्य

ङ. निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची लिखिए -

1. ध्वनि - आवाज नाद ताल
2. वृक्ष - तरु पेड़ पादप

3. मनुष्य	–	आदमी	नर	मानव
4. फूल	–	कुसुम	सुमन	पुष्प
5. वायु	–	हवा	पवन	समीर
6. वन	–	जंगल	कानन	विपिन
7. राजा	–	नरेश	महीपति	नरपति
8. दिन	–	दिवस	वार	वासर
9. भोजन	–	खाना	भोज्य	आहार

खण्ड 'ख'

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए:-

1. शोर-शराबे वाले स्थान, भारी ट्रेफ्रिक वाली सड़क, जोर-जोर से नारे लगाती भीड़, तेज आवाज में बज रहे लाऊडस्पीकर आदि के बीच से जब हम निकलते हैं तो हम असुविधाजनक महसूस करते हैं। ये सब 'ध्वनि प्रदूषण' के कारण होता है। स्नायुतंत्र पर ध्वनि का अधिक प्रभाव पड़ता है। मानव का कान एक सीमा तक ही ध्वनि का आघात झेल सकते हैं। उससे अधिक ध्वनि मानसिक स्वास्थ्य को गंभीर खतरे में डाल सकती है। गुस्सा, चिड़चिड़ाहट, थकान आदि मस्तिष्क की कमजोरी और असंतुलन के लक्षण हैं।
2. वृक्षों से शुद्ध हवा व फल-फूल की अनुपम भेंट प्राप्त होती है। वृक्ष अपना पूरा जीवन मौन रहकर मानव के हित में समर्पित कर देते हैं, इसलिए वृक्षों को तपस्वी कहा गया है।
3. मनुष्य स्वाद के लिए सभी भक्ष्य या अभक्ष्य पदार्थों से अपना पेट भर लेते हैं। खान-पान में लापरवाही, मिलावट व दिखावे ने मनुष्य को रोगों के समीप कर दिया है। रसायनों से संरक्षित चटनियाँ, मुरब्बे, हानिकारक मसालों की कृत्रिम सुगंधों से रचे-बसे फास्ट फूड खाने का प्रचलन निरंतर बढ़ता जा रहा है जो मनुष्य का स्वास्थ्य नष्ट कर रही हैं।
4. हमारे विचारों में आज स्वार्थ, हिंसा, लोभ एवं प्रदर्शन के कीटाणु प्रवेश कर गए हैं, जिससे हमारा पूरा जीवन प्रदूषित हो गया है। यहीं वैचारिक प्रदूषण है। व्यक्ति दूसरों को ठगने और सताने में स्वयं को शक्तिशाली समझने लगा है। वैचारिक प्रदूषण के कारण मनुष्य धन को अधिक सम्मान व सद्‌गुणों की अवहेलना करने लगा है।

5. ध्वनि–प्रदूषण को विभिन्न प्रकार से रोक सकते हैं – जैसे–

   क. विभिन्न क्षेत्रों में सड़कों के किनारे वृक्षों को लगाकर ध्वनि–प्रदूषण से बचा जा सकता है क्योंकि हरे पौधे ध्वनि तीव्रता कम कर सकते हैं।

   ख. प्रेशर हार्न बंद किए जाएँ, इंजन व मशीनों की मरम्मत निरंतर हो, सही तरह से ट्रेफिक के संचालन जैसे कुछ अन्य उपाय करके ध्वनि प्रदूषण को रोका जा सकता है।

6. पर्यावरण को प्रदूषण रहित करने के लिए सर्वप्रथम वनों की कटाई रोकनी होगी। वृक्षों और पौधों के अभाव से वायु प्रदूषण को नदियों में बहाने पर रोक लगानी होगी। अनावश्यक रूप से हार्न का प्रयोग नहीं करना, जब जरूरत न हो तब इंजन बंद करना एवं नियमित रूप से गाड़ी या वाहन की जाँच करवाना आदि प्रवासों से हम प्रदूषण पर नियंत्रण पा सकते हैं।

ख. भाषा–बोधन –

1. नीचे दिए गए शब्दों में से प्रत्यय छाँटकर अलग लिखिए और उन प्रत्ययों से तीन–तीन अन्य नये शब्द बनाइए–

जहरीला	–	ईला	शरमीला	पथरीला	चमकीला
योगदान	–	दान	महादान	रक्तदान	खानदान
निर्ममता	–	ता	स्वच्छता	ममता	विनम्रता

पाठ - 12 : मीर, मिर्जा और मुहावरे

खण्ड 'क'

क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–

1. दावत देने का   2. सारा नकदी–जेवर   3. गाड़ी

4. टेढ़ी खीर है   5. दोस्तों की   6. भीगी बिल्ली

ख. रिक्त स्थान भरिए–

1. ईद के चाँद   2. कमाना   3. अंधेरी रात

4. मुसीबत मोल   5. जुआरी दोस्तों   6. मुझे

ग. किसने, किससे कहा–

1. मिर्जा ने मीर से कहा   2. मिर्जा ने मीर से कहा

3. मिर्जा ने मीर से कहा   4. मिर्जा ने मीर से कहा

घ. सत्य/असत्य लिखिए –

1. सत्य 2. सत्य 3. सत्य
4. सत्य 5. सत्य

ङ. अलग अर्थ वाले शब्द पर गोला लगाओ–

1. पत्थर – पिक
2. आँख – नभ
3. पानी – धन
4. दूध – तरनी
5. चाँद – सुरसरि
6. इच्छा – ज्वाला

खण्ड 'ख'

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

1. मीर के मिर्जा बहुत कम दिखाई देते थे। इसलिए उन्हें ईद का चाँद कहा गया।
2. मिर्जा के दावत देने के शौक का परिणाम यह हुआ कि मिर्जा कर्जे के नीचे आ गए।
3. स्वयं कीजिए।
4. स्वयं कीजिए।
5. अ. चुप रहो, सौ गुना खुशी कमाओ।
   ब. कठिन कार्य।

ख. भाषा–बोधक –

मुहावरे भाषा को गति प्रदान करते हैं। नीचे कुछ अधूरे मुहावरे हैं, उन्हें पूरा करते हुए वाक्यों में प्रयुक्त कीजिए –

1. **अधजल गगरी छलकत जाए**–मनीष खेला तो सिर्फ स्कूल क्रिकेट टीम में पर बात ऐसे करता है जैसे सचिन तेंदुलकर है। इसे ही कहते हैं अधजल गगरी छलकत जाए।
2. **अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता**–रवि से डरने की जरूरत नहीं है चाहे कितना भी ताकतवर हो, है तो अकेले ही और अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता।
3. **एक करेला दूसरा नीम चढ़ा**–कालू तो पहले से ही बिगड़ा हुआ था, अब

उसने आवारा लोगों का साथ और कर लिया है– एक तो करेला दूसरा नीम चढ़ा।

4. **न नौ मन तेल होगा ना राधा नाचेगी**–आजकल बात–बात पर हर कोई हड़ताल करके बैठ जाता है और ऐसी शर्त रखता है जैसे मानों न नौ मन तेल होगा न राधा नाचेगी।
5. **उल्टे बांस बरेली**–जब राजू अनाज शहर से गाँव ले जाने लगा तो उसके पिताजी ने कहा कि ये तो उल्टे बांस बरेली वाली बात है। यहाँ क्या कोई अनाज की कमी है ?
6. **होनहार बिरवान के होत चीकने पात**–जो महान होते हैं उनकी प्रतिभा बचपन में ही दिख जाती है।
7. **नाच न जाने आँगन टेढ़ा**–परीक्षा में कम अंक आने पर पिता जी ने रवि को बहुत डांटा तो उसने कहा कि गुरु जी ने सही नहीं पढ़ाया तो पिता ने उसी समय कहा यह तो वही बात हुई नाच न जाने आंगन टेढ़ा।
8. **थोथा चना बाजे घना**–वह हाईस्कूल तक पढ़ा नहीं है लेकिन बी.ए. पास होने तक की शेखी बघारता है। सच है–थोथा चना बाजे घना वाली कहावत है।
9. **सौ सुनार की एक लुहार की**–एक लड़के को मिलकर अनेक लड़के मार रहे थे और जब वह लड़का उन्हें मारने लगा तो सभी को धूल चटा दी, इसे कहते हैं सौ सुनार की एक लुहार की।
10. **घोड़े बेचकर सोना**– अरे बेटा उठकर पढ़ ले कल तेरी परीक्षा है और तू अभी भी घोड़े बेचकर सो रहा है।

पाठ - 13 : क्रांति और शांति

खण्ड 'क'

क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–

1. वसुधा	2. नि:शुल्क उपहार	3.क्रान्ति ही थी
4. सभी को कष्ट	5. युद्ध किया	6. शांति की

ख. रिक्त स्थान भरिए–

1. रहने वालों	2. विरोध	3. आक्रोश
4. प्राणों	5. कष्ट	

ग. सही मिलान कीजिए –

स्तम्भ 'अ'	**स्तम्भ 'ब'**
1. आक्रोश	ग. क्रोध
2. कुकृत्य	ङ. बुरा काम
3. एकाधिकार	छ. एक ही कि मालकियत
4. सतत	क. लगातार
5. तत्पश्चात्	घ. इसके बाद
6. तानाशाह	ख. मनमाना राज्य करने वाला
7. सर्वविदित	च. सबको मालूम

घ. सत्य/असत्य लिखिए –

1. असत्य	2. सत्य	3. सत्य
4. सत्य	5. सत्य	6. सत्य

ङ. नीचे लिखे शब्दों के विलोम लिखिए–

1. शांति	2. जन्म	3. देरी
4. मूर्ख	5. अहिंसा	6. निस्वार्थ

खण्ड 'ख'

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

1. कुछ दुष्ट लोग अपनी महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति के लिए दूसरे लोगों पर अत्याचार करते हैं और दूसरों को उनके साधनों के उपभोग से वंचित रखना चाहते हैं। उनके उस कुकृत्य को देखकर लोगों में आक्रोश बढ़ता है और वे संगठित होकर क्रांति करते हैं।
2. क्रान्ति के लिए क्रान्तिकारी अपने प्राणों की बाजी लगाते हैं।
3. महाभारत का युद्ध टाला जा सकता था क्योंकि पाँडव हर प्रकार से शांति के इच्छुक थे, किंतु दुष्ट दुर्योधन किसी भी बात को मानने को तैयार नहीं था तो विवश होकर पांडवों को युद्ध करना ही पड़ा।
4. महात्मा बुद्ध तथा भगवान महावीर।
5. मनुष्य अपने मन की गहराइयों में सद्गुणों व नैतिक विचारों जैसे सत्य, करुणा, त्याग, सेवा, न्याय आदि को अपनाकर शांति की स्थापना कर सकता है।

ख. भाषा-बोधक -

1. उपसर्ग जोड़कर निम्नलिखित शब्दों को परिवर्तित कीजिए -

निर् + धन - निर्धन   प्र + वास - प्रवास

अ + जय - अजय   सु + पुत्र - सुपुत्र

सु + प्रभात - सुप्रभात

2. निम्नलिखित मुहावरों को अपने वाक्यों में प्रयुक्त कीजिए -

(क) **प्राण हथेली पर रखना :** प्राण त्याग का भय न रखना - गौतम ने प्राण हथेली पर रखकर बच्चे को डूबने से बचाया।

(ख) **क्रांति का बिगुल बजना :** अन्याय के खिलाफ आवाज उठाना - हिटलर के अत्याचारों के विरूद्ध लोगों ने क्रांति का बिगुल बजा दिया था।

(ग) **मौत के घाट उतारना :** मार देना - युद्ध में अनगिनत लोगों को कौरवों ने मौत के घाट उतार दिया।

पाठ - 14 : निक्की, रोजी और रानी

खण्ड 'क'

क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए-

1. अवकाश का था   2. छाँव   3. बहुत प्यारा होना

4. स्नेही और अनुशासित जीव हैं

5. सफेद ट्टटू पर बैठोगे   6. गड्ढे में

ख. रिक्त स्थान भरिए-

1. भ्रमण   2. सोती   3. छोड़ना

4. सहानुभूति   5. लघु

ग. सही मिलान कीजिए -

स्तम्भ 'अ'	**स्तम्भ 'ब'**
1. दुपट्टा	ज. दुपट्टे
2. चुन्नर	छ. चुन्नरें
3. क्यारी	च. क्यारियाँ
4. खिड़की	झ. खिड़कियाँ
5. आकृति	ञ. आकृतियाँ

6. शंका ट. शंकाएँ

7. शाखा ठ. शाखाएँ

8. बस्ती ङ. बस्तियाँ

9. उपहार ग. उपहारों

10. स्मृति घ. स्मृतियाँ

11. झाड़ी ड. झाड़ियाँ

12. स्थिति क. स्थितियाँ

13. कार्यक्रम ख. कार्यक्रमों

घ. सत्य/असत्य लिखिए –

1. सत्य 2. असत्य 3. सत्य

4. सत्य 5. सत्य

खण्ड 'ख'

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

1. रोजी सफेद कुतिया थी। उसके छोटे सुडौल कानों के कोने, पूँछ का सिरा, माथे का मध्य भाग और पंजों का अग्रांश कत्थई रंग का होने के कारण उसमें कत्थई किनारीवाली सफेद साड़ी की धवल रंगीनी का आभास मिलता था।
2. खिलौनों के छोटे बॉक्स को खाली करके उसमें रूई और रेशमी रुमाल बिछाकर नकुल को उसमें बैठाया।
3. नेवला सर्प की तुलना में बहुत कोमल और हल्का होता है। यदि साँप चाहे तो उसे अपनी कुंडली में लपेट कर चूर-चूर कर डाले, फन के फूत्कार से मूर्च्छित कर दे, परंतु वह नेवले के फूल-से हलकेपन और बिजली जैसी गति से परास्त हो जाता है। नेवला ने उसे दशन का अवसर देता है, न व्यूह रचना का अवकाश और अपनी लाघवता के कारण नेवले को न विशेष अवसर चाहिए, न सुयोग।
4. रानी एक घोड़ी थी। रानी अपने कानों को खुरी से खोदती और हिनहिनाती रही। अंत में बाबूजी का ध्यान उसकी ओर गया और उन्होंने मिट्टी हटाने का आदेश दिया। किसी ने कुछ गहरा गड्ढा खोदकर दोनों कड़े गाड़ दिए थे। दंड तो किसी को नहीं मिला, परंतु रानी सारे घर के हृदय में स्थान पा गई।
5. अवकाश के दिनों में जब लेखिका घर लौटी तब निक्की मर चुका था, रानी

और उसका बच्चा पवन किसी को दे दिए गए थे। केवल, दुर्बल, अकेली और खोई-सी रोजी उसके पैरों से लिपटकर कूँ-कूँ करके रोने लगी।

ख. भाषा-बोधक -

1. इसी प्रकार के अन्य शब्द-युग्म में से छाँटकर वाक्य सहित लिखिए -

एक-एक- प्रार्थना के बाद बच्चों को एक-एक करके कक्षा में भेजा गया।

झूल-झूल - बन्दर पेड़ों की डाल पर झूल-झूल कर आनंद ले रहे थे।

नर्म-नर्म - माँ ने नर्म-नर्म हाथों से रवि को प्यार किया।

खंड-खंड - मेज से गिरकर कप खंड-खंड हो गया।

फुला-फुला - रोहित नथुने फुला-फुला कर रोता है।

कूँ-कूँ - कुतिया का पिल्ला ठंड के कारण कूँ-कूँ करता चल रहा था।

घूम-घूम - बच्चों ने बगीचे में घूम-घूम कर मजा किया।

2. इसी प्रकार, निम्न ध्वन्यात्मक शब्दों को उनके स्थान पर लिखिए -

(क) झमा-झम (ख) साँय-साँय (ग) छपाक् (घ) टन-टनाटन।

पाठ - 15 : मधुरवाणी

खण्ड 'क'

क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए-

1. मन 2. बिगड़ते हैं

3. विनम्रतापूर्वक एवं आदरयुक्त रीति से बात करना

4. बाहरी रंग-रूप 5. इनमें से कोई नहीं 6. शोर-शराबा

ख. रिक्त स्थान भरिए-

1. जटिल 2. संतुलित 3. बिगड़ते

4. स्वयं को 5. दोषमुक्त

ग. सही मिलान कीजिए -

स्तम्भ 'अ'	स्तम्भ 'ब'
1. हितकर	घ. अहितकर
2. अतृप्त	ङ. तृप्त
3. शत्रु	च. मित्र

4. घृणा	छ. प्रेम
5. आदरयुक्त	ज. अपमानयुक्त
6. विनम्रतापूर्वक	ग. कटुतापूर्वक
7. भद्र	ख. अभद्र
8. निंदा	क. प्रशंसा

घ. सत्य/असत्य लिखिए –

1. सत्य	2. सत्य	3. असत्य
4. सत्य	5. सत्य	6. असत्य

ङ. निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची लिखिए –

1. शरीर–	बदन	काया	तन
2. वाणी–	बोली	गिरा	रसना
3. मित्र–	सखा	दोस्त	सहचर
4. सुंदर–	चारू	मनोहर	ललाम
5. मनुष्य–	आदमी	नर	मानव
6. अभिलाषा–	चाह	कामना	इच्छा
7. शत्रु–	दुश्मन	वैरी	रिपु

खण्ड 'ख'

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

1. शरीर की सभी प्रवृत्तियों का संचालन है–मन। मन एक मुस्तैद का कार्यकर्ता है, जो प्रतिक्षण अपने कार्य में जुटा रहता है। सैकड़ों विचार, भावनाएँ और योजनाएँ इसमें उपजती रहती हैं।
2. शिष्टाचारयुक्त मधुरवाणी एक सन्तुलित मन का परिचय देती है।
3. दूसरे पर भद्दी टिप्पणियाँ करना, दूसरों का मजाक बनाना, झूठ बोलना, निंदा करना आदि यह सब वाणी के दोष हैं इसके विपरीत यथासमय उचित वाणी सब कार्यों को सँवार देती है।
4. अच्छी वाणी सदा ही स्वच्छ मन से उपज सकती है। अतः मूल रूप से मन को ही निर्मल व दोषयुक्त बनाना होगा, ताकि उसमें से जो शब्द उपजें वह हितकारक हों, सत्य व मधुर हों।
5. आज प्रत्येक व्यक्ति स्वयं को तनावग्रस्त पाता है। इसका प्रमुख कारण किसी

के द्वारा कहे गये कठोर शब्दों की कसक है। शब्द बाण ही तीर से अधिक भेदक और वज्र से अधिक घातक होता है।

ख. भाषा-बोधक -

1. इसी प्रकार, नीचे दिए गए शब्दों से शब्द परिवार बनाइए:-

सम्मान	- मान,	महत्त्व,	बड़प्पन
ज्ञान	- ज्ञानी,	अज्ञानी,	ज्ञानवान
धन	- धनसंपदा,	धनवान,	धान्य
शांति	- शंत,	अशांत,	शांतनु

2. इसी प्रकार इन निपातों का प्रयोग करते हुए वाक्य बनाइए -

(क) सुमन तो होशियार है। सुमन भी होशियार है।
सुमन ही होशियार है।

(ख) रीता तो बहादुर है। रीता भी बहादुर है।
रीता ही बहादुर है।

(ग) साहिल तो सच बोलता है। साहिल भी सच बोलता है।
साहिल ही सच बोलता है।

पाठ–1 : स्वतन्त्रता का दीपक

1. **सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–**

   क. अज्ञानता व बाधाओं का ख. प्राणों के समान ग. दीये को

   घ. यह दीया न बुझे ङ. स्वर मैत्री

2. **कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–**

   क. निशीथ ख. गंग ग. पुनीत

   घ. मजार ङ. आँधिया

3. **सही मिलान कीजिए–**

खण्ड 'अ'	खण्ड 'ब'
क. घोर	4. अंधकार
ख. नाव	1. बहाव
ग. गंग	7. धार
घ. अतीत	2. कल्पना
ङ. अनंत	3. साधना
च. आस	8. पास
छ. घास	6. दुकूल
ज. जीत	5. हार

4. **सत्य/असत्य लिखिए–**

   क. सत्य ख. सत्य ग. असत्य

   घ. सत्य ङ. सत्य

5. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

   क. कवि कहते हैं कि किसी भी परिस्थिति में चाहें तो शांति, अशांति, युद्ध, संधि या क्रांति में आजादी का दीपक बुझना नहीं चाहिए।

   ख. कवि ने स्वतंत्रता के दीपक की तुलना शहीदों और देश–प्रेमियों की कठोर तपस्या, असीम त्याग और शक्ति से की है।

   ग. स्वतंत्रता के दीपक को देश–प्रेमियों के बलिदान का दान कहा जाता है। कवि कहते हैं अमर शहीदों ने अपने प्राणों की आहुति देकर हमें आजादी दिलाई है जिससे यह स्वतंत्रता का दीपक प्रज्वलित हुआ है।

घ. कविता के माध्यम से कवि ने स्वतंत्रता को सदा प्रज्वलित रखने का संदेश दिया है।

भाषा-बोधन

क. नीचे लिखे शब्दों में विशेषण और विशेष्य पृथक-पृथक कीजिए-

विशेषण	विशेष्य	विशेषण	विशेष्य
अंधकार	घोर	कल्पना	अतीत
प्रार्थना	विनीत	भावना	पुनीत
साधना	अनंत	प्राण	पुण्य
गान	स्वतंत्र		

ख. निम्नलिखित शब्दों के विलोम लिखिए -

शब्द	विलोम	शब्द	विलोम
अंधकार	प्रकाश	स्वतंत्रता	परतंत्रता
शांति	युद्ध	पुण्य	पाप
स्वदेश	परदेश	अनंत	अंत
अतीत	वर्तमान	जीत	हार
बुझना	जलना	समान	असमान

आपकी कलम से

क. व ख स्वयं कीजिए।

पाठ-2 : मूँगफली वाला

1. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए-

क. बच्चों में   ख. कोसती थीं   ग. काँच की

घ. मूँगफली वाला नहीं आया   ङ. जेब   च. दस रुपये

2. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए-

क. हड़बड़ाए   ख. सन्तुष्टि   ग. साक्ष्य

घ. दस   ङ. लहराती

3. सही मिलान कीजिए-

खण्ड 'अ'	खण्ड 'ब'
क. छोटी-छोटी	3. कनस्तरियाँ

ख. मसालेदार	5. चने
ग. चीनी की	6. तिलपट्टी
घ. मीठी-खट्टी	7. गोलियाँ
ङ. करारी	2. मूँगफली
च. मौलिक	4. अधिकार
छ. जागरुक	8. ग्राहक
ज. फूटी	1. कौड़ी

4. सत्य/असत्य लिखिए-

क. असत्य	ख. सत्य	ग. सत्य
घ. सत्य	ङ. असत्य	च. असत्य

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

क. मूँगफली वाले के आते ही बच्चे जैसे-तैसे करके अपनी मम्मी से पैसे ले लेते हैं और मूँगफली वाले के पास आ जाते थे। कुछ स्त्रियाँ तो झुँझलाकर मूँगफली वाले को कोसने लगती .... मरा एक दिन भी चैन नहीं लेता, बोले चला जाता है ..... इसका गला भी नहीं दुखता.....।

ख. मूंगफली वाले के पास काँच की छोटी-छोटी कनस्तरियों में अनेक लुभावनी वस्तुएँ होतीं, जैसे-खट्टे मसालेदार चने, इमली, गुड़ व चीनी की तिलपट्टी, मीठी-खट्टी गोलियाँ, मुरमुरे ....और भी न जाने क्या-क्या!

ग. बगैर हड़बड़ाए वह अपने नन्हें ग्राहकों को पूर्ण सन्तुष्ट करके ही लौटता। सभी बच्चों के हाथों में कागज की पुड़िया और जीभ पर चटखारों की ध्वनि होती। मूँगफली वाले को एक अजीब-सी सन्तुष्टि प्राप्त होती।

घ. स्वयं को अकारण ही महत्वपूर्ण सिद्ध करके वह अपने जागरुक ग्राहक होने का साक्ष्य प्रस्तुत करते थे। दस पैसे के दालसेव में खट्टी व मीठी दोनों तरह की चटनी डलवाना, मूँगफली एकदम करारी और गर्म लेना, पाँच गोलियाँ खरीदने पर एक मुफ्त लेना; जैसे अपने मौलिक अधिकारों का प्रयोग करना कोई भी बच्चा नहीं भूलता था।

ङ. आने को तो और ठेले वाले भी आते थे किन्तु उनसे जरा-सी भी चूँ-चपड़ नहीं की जा सकती थी। वे तो 'वस्तु लो, पैसे दो और चलते बनो' की अटल नीति के अनुयायी थे। अपने ठेले को वे मानों स्वर्ण या रत्नजड़ित समझते थे,

जिस पर अनावश्यक हाथ रखते ही घुड़क देना उनका सहज स्वभाव था। लेकिन वह मूँगफली वाला तो बिल्कुल ही अलग स्वभाव का था।

भाषा-बोधन

1. **नीचे दिये गये शब्दों में अर्थ-साम्यता होते हुए भी अन्तर है। अन्तर बताते हुए इन शब्दों को वाक्यों में प्रयुक्त कीजिए-**

क. सन्तुष्टि - जीवन में **संतुष्टि** आवश्यक है।

तृप्ति - बुद्‌ध को ज्ञान प्राप्ति के बाद **तृप्ति** हुई।

ख. अहसास - मुझे **अहसास** हुआ कि वह दुःखी है।

अनुभूति - मंदिर जाने से मुझे सुख की **अनुभूति** होती है।

ग. जैसे-तैसे - रवि बिल्कुल नहीं पढ़ता था **जैसे-तैसे** उसका दाखिला नए स्कूल में हो ही गया।

येन-केन-प्रकारेण -रमेश **येन केन प्रकारेण** केवल अपना उल्लू सीधा करने की कोशिश में रहता है।

घ. आकर्षक-गुलाब का फूल बहुत **आर्कषक** लगता है।

लुभावनी -**लुभावनी** वस्तुएँ देखकर लोभ का जगना स्वाभाविक है।

2. **निम्नलिखित शब्दों में से मूल शब्द व प्रत्यय अलग कीजिएः-**

शब्द	**मूल शब्द**	**+ प्रत्यय**	**शब्द**	**मूल शब्द**	**+ प्रत्यय**
नियमित	नियम	+ इत	मौलिक	मूल	+ इक
उदासी	उदास	+ ई	गलती	गलत	+ ई
स्वाभाविक	स्वभाव	+ इक			

आपकी कलम से

क. व ख स्वयं कीजिए।

पाठ-3 : नशा

1. **सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए-**

क. गरीब क्लर्क ख. पिछलग्गू है

ग. उसके पास किराये के पैसे नहीं थे।

घ. लेखक ङ. किले जैसा च. पिटाई की

2. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए-

क. मुस्कराता ख. कठोरता ग. ईश्वरी

घ. उपेक्षा ङ. नाजुक

3. सत्य/असत्य लिखिए-

क. सत्य ख. सत्य ग. असत्य

घ. सत्य ङ. असत्य च. असत्य

छ. सत्य

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

क. अब की दशहरे की छुट्टियों में लेखक ने निश्चय किया कि घर न जाऊँगा। उसके पास किराये के लिए न रुपये थे और न वह घरवालों को तकलीफ देना चाहता था। वह जानता है वे उसे जो कुछ देते हैं वह उनकी हैसियत बहुत ज्यादा है। इसके साथ ही परीक्षा का भी ख्याल था। अभी बहुत-कुछ पढ़ना बाकी था और घर जाकर कौन पढ़ता है। बोर्डिंग हाउस में भूत की तरह अकेले पड़े रहने को भी जी न चाहता था। लेकिन जब ईश्वरी उसे अपने घर चलने का नेवता दिया, तो वह बिना आग्रह के राजी हो गया ईश्वरी के साथ परीक्षा की तैयारी खूब हो जायेगी।

ख. लेखक की वेशभूषा और रंग-ढंग से पारखी खानसामों को यह पहचानने में देर न लगी कि मालिक कौन है और पिछलग्गू कौन; लेकिन न जाने उसे उनकी गुस्ताखी बुरी लग रही थी। पैसे ईश्वरी के जेब से गये। शायद उसके पिता को जो वेतन मिलता है, उससे ज्यादा इन खानसामों को इनाम-इकराम में मिल जाता हो। एक अठन्नी तो चलते समय ईश्वरी ही ने दी। फिर भी वह उन सब से उसी तत्परता और विनय की प्रतीक्षा करता था, जिससे वे ईश्वरी की सेवा कर रहे थे। ईश्वरी के हुक्म पर सब-के-सब क्यों दौड़ते हैं, लेकिन वह कोई चीज माँगता है तो उतना उत्साह नहीं दिखाते ? उसे भोजन में कुछ स्वाद न मिला। वह भेद उसके ध्यान को सम्पूर्ण रूप से अपनी ओर खींचे हुए था।

ग. ईश्वरी ने बताया कि महात्मा गांधी के भक्त हैं साहब ! खद्दर के सिवा कुछ पहनते ही नहीं। पुराने सारे कपड़े जला डाले। यों कहो कि राजा हैं। ढाई लाख सालाना की रियासत है; पर इनकी मूरत देखो तो मालूम होता है, अभी अनाथालय से पकड़कर लाए गए हैं।

घ. नौकरों का एक जत्था हमेशा घेरे रहता। अपने हाथ–पाँव को हिलाने की कोई जरूरत नहीं। केवल एक जबान हिला देना काफी है। नहाने बैठे तो आदमी नहलाने को हाजिर, लेटे तो आदमी पंखा झलने को खड़े। मैं महात्मा गांधी का कुँवर चेला मशहूर था। भीतर से बाहर तक मेरी धाक थी। नाश्ते में जरा भी देर न होने पाये, कहीं कुँवर साहब नाराज न हो जाएँ; बिछावन ठीक समय पर लग जाय, कुँवर साहब के सोने का समय आ गया। मैं ईश्वरी से भी ज्यादा नाजुक मिजाज बन गया था।

ङ. जब लेखक रेल से प्रयाग लौटता है तो रेल के डिब्बे में गठरी लादे एक मुसाफिर को तमाचा भी मार देता है क्योंकि उसकी गठरी से उसके मुँह पर रगड़ खा गई थी उसके इस व्यवहार का सभी यात्री विरोध करते हैं और ईश्वरी भी उसे फटकार लगाता है जिससे उसे स्वयं की वास्तविक स्थिति का बोध होता है उसके सिर पर चढ़ा रईसी का नशा उतर जाता है।

भाषा–बोधन

1. नीचे वाक्यों में प्रयुक्त संज्ञा शब्द को रेखांकित कीजिए तथा भेद बताइए–

क. लेखक	व्यक्तिवाचक संज्ञा
ख. मानुषीय या नैतिक	गुण संज्ञा
ग. ईश्वरी	व्यक्तिवाचक संज्ञा
घ. ईश्वर	व्यक्तिवाचक संज्ञा
ङ. प्रतापगढ़	जातिवाचक संज्ञा

2. निम्नलिखित शब्दों में से तत्सम व तद्भव शब्द छाँटकर अलग–अलग कीजिए:–

तत्सम	तद्भव	तत्सम	तद्भव
परस्पर	मजूरी	दूध	रक्त
शाम	लज्जा	काम	नेत्र
डब्बे	चेष्टा	पुराने	लिबास
घर	मूरत	हिंसक	हास्यास्पद
	द्वार		देहात
	बिछावन		एश्वर्य

पाठ-4 : सादगी या शान

1. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए-

क. शानो-शौकत दिखाने के साधन

ख. धन खर्च में अग्रगणनीय बनने के लिए

ग. भ्रष्टाचार　　घ. सादगी में

ङ. जो सादा जीवन उच्च विचार रखता है

2. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए-

क. साधन　　ख. धन संग्रह　　ग. भ्रम

घ. मुहावरा　　ङ. ऊहापोह

3. पाठ में प्रयुक्त 'शब्द युग्म' छाँटकर लिखिए-

शानौ-शौकत	धन-वैभव	गड्ड-मड्ड
वैसे-वैसे	तड़क-भड़क	उठने-बैठने
एक-दो	बड़े-बड़े	उचित-अनुचित
शिक्षित-अशिक्षित		

4. सत्य/असत्य लिखिए-

क. असत्य　　ख. सत्य　　ग. सत्य

घ. असत्य　　ङ. सत्य

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

क. धन-संग्रह करने के लिए जीवन भर कष्ट सहा जाता है और पल की झूठी शानो-शौकत व प्रदर्शन के लिए उसे पानी की तरह बहा दिया जाता है।

ख. आजकल के विवाह समारोहों में विविध व्यंजनों के सैकड़ों नमूने ऐसे सजा दिये जाते हैं कि खाने वाला भी उलझन में पड़ जाए। सभी स्वाद गड्ड-मड्ड हो जाते हैं। स्वयं ही थाली पकड़कर उसमें विविध पदार्थों का ऐसा मिश्रण बना लेना पड़ता है कि यह पहचानना भी मुश्किल हो जाता है कि हम खा क्या रहे हैं। न कोई प्रेम से खिलाता है और न कोई आग्रहपूर्वक परोसता है।

ग. जैसे-जैसे झूठे प्रदर्शन के लिए अधिक धन की माँग बढ़ती है, वैसे-वैसे ही व्यक्ति प्रायः भ्रष्टाचार व अनुचित तरीकों से धन-संग्रह करने की ओर उन्मुख हो जाता है जिससे उसकी अन्तरात्मा पतित हो जाती है।

घ. शिक्षित मनुष्य वही कहलाता है–जो सादा जीवन उच्च विचार रखता है।

ङ. स्वयं कीजिए।

भाषा–बोधन

1. पाठ में प्रयुक्त निम्न शब्दों के विलोम लिखिए–

शब्द	**विलोम**	**शब्द**	**विलोम**
सुरूचि	अरूचि	कठिन	सरल
संग्रह	त्याग	मिथ्या	सत्य
भ्रम	अभ्रम	स्वस्थ	अस्वस्थ
अनुचित	उचित	अन्तर्मन	बाह्यमन
निर्धन	धनी	विवेक	अविवेक
शीघ्र	विलम्ब	शाकाहार	मांसाहार

2. गुणवाचक विशेषण बनाइए–

शब्द	**गुणवाचक विशेषण**	**शब्द**	**गुणवाचक विशेषण**
स्वास्थ्य	स्वस्थ	आकर्षण	आकर्षित
शिष्टता	शिष्ट	सुन्दरता	सुन्दर
शिक्षा	शिक्षित	आत्मीयता	आत्मा
सभ्यता	सभ्य	भ्रम	भ्रमित
शीतलता	शीतल	औचित्य	उचित

3. पाठ में प्रयुक्त विदेशी भाषाओं के शब्दों का चयन कीजिए –

प्लेट, फैशन, सिन्थेटिक, स्टॉल आदि

आपकी कलम से

क. व ख स्वयं कीजिए।

पाठ–5 : लड़ाका

1. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–

क. छः
ख. गोलू पर
ग. उसका क्रोध
घ. लड़ाका
ङ. बिट्टी के लिए

2. **कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–**

क. बिट्टी	ख. बड़े भाई	ग. प्रफुल्ल
घ. मोहिता	ङ. आगरा	

3. **सत्य/असत्य लिखिए–**

क. सत्य	ख. सत्य	ग. असत्य
घ. सत्य	ङ. असत्य	

4. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

क. बिट्टी हमेशा कुछ खीजी, चिढ़ी, और किसी–न–किसी बात पर बखेड़ा खड़ा किये रहती थी। उसकी आवाज तब तक बन्द न होती जब तक कि माँ उसे बुरी तरह न लताड़े; पर तब भी बोलने की आवाज तो बन्द होती लेकिन रुलाई के स्वर बिखर जाते। शरीर की बेड़ौलता और उसके बौखलाहट भरे बोलों ने उसके उस हृदय को ढाँप लिया था जो अत्यंत भावुक था और प्यार के दो बोलों को तरसता था। परिवार से फटकार और समाज से व्यंग्य के अलावा उसे कुछ हासिल न था।

ख. मनुष्य के मन पर वातावरण का विशेष प्रभाव पड़ता है। यदि किसी व्यक्ति को पर्याप्त स्नेह नहीं मिलता तो वह धीरे–धीरे हीन भावना से ग्रसित हो जाता है। यही हाल बिट्टी का था। उसे अपने परिवार वालो से कोई प्रेम नहीं मिला था। केवल कड़वे बोल और फटकार ही उसके नसीब में थे।

ग. माँ बोलती जाती बिट्टी ''दुष्टा है ... 'लड़ाका' कहीं की, बड़े–छोटे सब से झगड़ा, तुझसे तो कोई बात करके भी राजी न होगा ...।''

बिट्टी सुबकना शुरू कर देती ... ''हाँ–हाँ, सब तुम्हारे लाड़ले हैं, मैं सौतेली हूँ। गोलू मेरी कॉपी खराब कर रहा था, उसे तो कुछ नहीं कहोगी, तुम्हें तो बस मेरी ही गलती नजर आयेगी...!'' वह रोते–रोते अपनी सफाई पेश करती। लगभग एक–आध घंटा रो चुकने के बाद खुद ही मुँह धो लेती और शाम को प्रफुल्ल नजर आती, क्योंकि उसे पता था कि कोई उसे नहीं मनायेगा जैसे अकसर रूठी हुई मोहिता को मनाया जाता है। माँ उसके रूठ जाने पर पास बैठकर मनाती है– ''देखो मोहिता, अब तुम बड़ी हो गयी हो, कल तुम्हें ससुराल जाना है। वहाँ तुम्हें कौन मनायेगा?''

घ. भाभी की सौन्दर्य प्रसाधन सामग्री बिट्टी को आकर्षित करती। अपना

अधिकार समझ बिट्टी उसे प्रयोग करने लगी। उसे अपना 'मोहिता' से बढ़कर सुन्दर दीखने का अरमान इन वस्तुओं से पूरा होता जान पड़ा। भाभी उसकी इस हरकत से चिढ़ गयी। वह प्रत्यक्ष तो कुछ न कहती पर बिट्टी को चिढ़ाने का एक नया तरीका उसने ढूँढ़ लिया। यह भाँपकर कि बिट्टी मोहिता के प्रति ईर्ष्यालु भाव रखती है, वह मोहिता को अधिक सम्मान देती। जब भी खाना-खाने बैठती, मोहिता को बेहद सम्मान देती। कभी जबरन खिलाती। लाड़ भरे उसके आग्रह बिट्टी को तड़पा देते। भाभी बड़े अन्दाज से कहती- "मोहिता मेरे साथ खाना खाओ न ... वरना मैं भी नहीं खाऊँगी, थोड़ा-सा ही सही।" मोहिता थोड़ी नाज-नखरे दिखाकर हँसती- बतियाती खाने बैठ जाती। बिट्टी कुढ़ती हुई सोचती रहती- मुझे क्यों नहीं पूछा ...! भाभी मोहिता के कपड़े प्रैस कर देती। वह एक ओर बिट्टी को चिढ़ाने और दूसरी ओर सास को खुश करने का उद्देश्य मोहिता के छोटे-मोटे काम करके पूरा कर रही थी।

ङ. यदि बिट्टी से अच्छा व्यवहार किया जाता तो वह घर छोड़कर हॉस्टल नहीं जाती क्योंकि जब बच्चा परिवार के लोगों से अच्छा व्यवहार नहीं पाता है तो वह घर से बाहर जाने की कोशिश करता है।

भाषा-बोधन

क. संयोजकों का प्रयोग करते हुए चार वाक्य बनाइए-

1. राम और श्याम सगे भाई हैं।
2. आलू और पनीर की सब्जी मुझे बहुत अच्छी लगती है।
3. रवि एवं दिनेश खाना खा रहे हैं।
4. सोहन और मोहन गाँव जा रहे हैं।

ख. नीचे दी गयी संज्ञाओं में 'पूर्वक' प्रत्यय लगाकर रीतिवाचक क्रिया-विशेषण बनाते हुए उन्हें वाक्यों में प्रयुक्त कीजिए:-

ध्यान + पूर्वक - ध्यानपूर्वक - माँ ने कहा रवि **ध्यानपूर्वक** पढ़ाई कर लो।

प्रेम + पूर्वक - प्रेमपूर्वक - हमें **प्रेमपूर्वक** रहना चाहिए।

करुणा + पूर्वक - करुणापूर्वक -जानवरों के प्रति करुणापूर्वक व्यवहार रखना चाहिए।

परिश्रम + पूर्वक - परिश्रमपूर्वक - जिस देश के लोग दृढ़ संकल्प तथा परिश्रमपूर्वक कार्य में लीन है उनकी उन्नति अवश्य होती है।

व्यंग्य + पूर्वक – व्यंग्यपूर्वक – कवि व्यंग्यपूर्वक बोला–''आज इसे भी धोना (मारना) है।

उत्साह + पूर्वक – उत्साहपूर्वक – बच्चों ने खेल में उत्साहपूर्वक भाग लिया और जीत गए।

आपकी कलम से

क, ख व ग स्वयं कीजिए।

पाठ–6 : गांधीजी के जन्मदिन पर

1. **सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–**

क. लँगड़ाकर चलते लोगों को

ख. दुनिया को सुनाना चाहते हैं

ग. आशा की किरण से | घ. परिश्रम से | ङ. फिर जन्म लेने का

2. **कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–**

क. गांधी जी | ख. लोगों की | ग. दुनिया को

घ. गांधी जी को | ङ. प्रार्थना सभा

3. **सत्य/असत्य लिखिए–**

क. सत्य | ख. असत्य | ग. सत्य

घ. सत्य | ङ. असत्य | च. असत्य

छ. सत्य

4. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

क. गांधी जी पुनः जन्म लेकर दुखियों और पीड़ितो को सहारा देना चाहते हैं।

ख. जो लोग जीवन में असफताओं के कारण हार चुके हैं, गांधी जी उन लोगों की आवाज को प्यार के सितार पर बजाना चाहते हैं।

ग. गांधी जी सच्चे देशभक्त थे। उन्होंने सत्य और अहिंसा की राह पर चलकर भारत को स्वतंत्रता दिलाई। उन्होंने भारतीयों को भारत के उत्पादों से पहचान कराई। कपड़ा नमक आदि वस्तुओं के लिए भारतीय अंग्रेजों पर निर्भर रहते थे। गांधी जी ने खादी वस्त्रों को प्रारंभ कर और नमक आंदोलन से भारतीयों को आत्मनिर्भर बनाया।

गांधी जी ने स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिए अनेक प्रकार के अत्याचार सहे, पर

मुश्किलों से डरे वही बल्कि डटकर भारत की स्वतंत्रता प्राप्त कराने के लिए लड़ते रहें।

घ. इस कविता से हमें शिक्षा मिलती है कि संसार के दीन-दुखियों, पीड़ितों और शोषितों के दु:ख दर्द को समझना चाहिए।

ङ. 'हारे हुओ की खोज' से गांधी जी का तात्पर्य है कि जो लोग जीवन में असफलताओं के कारण हार चुके हैं, वे उन्हें ढूँढकर उनका मनोबल बढ़ाऐंगे तथा उन्हें जीवन में संघर्ष के साथ जीना सिखाएँगे।

आपकी कलम से

क. व ख स्वयं कीजिए।

पाठ-7 : साए

1. **सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए-**

क. रोती　　ख. धूमधाम से　　ग. पिता से मिलने जाएगा

घ. मर चुके थे　　ङ. वह अज्जू के साथ मिलकर व्यापार करें

2. **कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए-**

क. केन्या　　ख. बारह　　ग. हड़ताल

घ. चौंकाना　　ङ. अजजू

3. **सत्य/असत्य लिखिए-**

क. सत्य　　ख. असत्य　　ग. सत्य

घ. असत्य　　ङ. सत्य

4. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-**

क. पति का पत्र पढ़ने के बाद जब पत्नी को पता चला कि अनावश्यक विलंब के कारण उसके पति का रोग काबू से बाहर हो गया है, तब वह बहुत रोई।

ख. घर से जाने वाले पत्रों में लिखा होता था-परमात्मा का ही चमत्कार है कि हालत सुधर रही है। एक नया जन्म मिला है......।

ग. नैरोबी में एक नया कारोबार शुरू हुआ था जिसमें मजदूरों की हड़ताल चल रही थी। ऐसे संकट के समय में अज्जू के पिता सब छोड़कर बेटी के विवाह पर भारत नहीं जा सकते थे।

घ. नैरोबी जाते समय अज्जू के मन में गहरी उत्कंठा थी कि पापा उसे देखकर

कितने चकित होंगे। उन्होंने कल्पना भी न की होगी कि एकाएक वह इतनी दूर, एक दूसरे देश में इतनी आसानी से आ जाएगा। उनकी निगाहों में तो अभी भी उतना ही छोटा होगा, जब वह निक्कर पहनकर आँगन में गुल्ली-डंडा खेलता था।

ङ. अज्जू के पिता की मृत्यु का समाचार उनके मित्र ने उनके परिवार को इसलिए नहीं दिया क्योंकि यदि अज्जू और परिवार को अपने पिता की मृत्यु के बारे में पहले पता चल जाता तो वे निराशा, हताशा और असुरक्षा की गहरी खाई में डूब जाते कि वहाँ से अंधेरे के अलावा उन्हें कुछ नहीं दिखता। अज्जू की माँ भी कब की मर गई होती और अज्जू भी वहाँ न पहुँच पाता जहाँ वह आज है।

भाषा-बोधन

क. हिन्दी भाषा में अनेक उर्दू के शब्द घुल-मिल गये हैं। नीचे लिखे उर्दू शब्दों को पहचानिए और उनका हिन्दी समानार्थी लिखिए-

उर्दू शब्द	**हिन्दी शब्द**	**उर्दू शब्द**	**हिन्दी शब्द**
हिदायत	नसीहत	उम्मीद	आशा
चिट्ठी	पत्र	कारोबार	काम-धंधा
इनाम	पुरस्कार	इलाज	चिकित्सा

ख. निम्नलिखित तद्भव और देशज शब्दों के तत्सम रूप लिखिएः-

देशज शब्द	**तत्सम शब्द**	**देशज शब्द**	**तत्सम शब्द**
बरस	वर्ष	जात	जाति
शादी	विवाह	हौले	धीरे
ताकते	देखते	भरम	भ्रम
निपट	खत्म		

ग. निम्नलिखित शब्द से प्रत्यय अलग कीजिएः-

शब्द	**प्रत्यय**	**शब्द**	**प्रत्यय**
मेहमानदारी	ई	आवश्यकता	ता
विदेशी	ई	भारतीय	ईय
नियमित	इत	प्रवासी	ई
स्वाभाविक	इक	दूरदर्शिता	ता
आसानी	ई	लिखित	इत

आपकी कलम से

क, ख और ग स्वयं कीजिए।

पाठ–8 : अल्बर्ट आइंस्टीन और अहिंसा

1. **सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–**

क. यहूदी परिवार में ख. करुणा ग. युद्धों के विरुद्ध

घ. गांधीजी से ङ. भौतिकी में

2. **कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–**

क. 1879 ख. जर्मन ग. वैज्ञानिक

घ. मनुष्य ङ. परमाणु बम

3. **सत्य/असत्य लिखिए–**

क. सत्य ख. असत्य ग. असत्य

घ. असत्य ङ. सत्य च. असत्य

छ. सत्य

4. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

क. आइस्टीन की ख्याति विश्व के कोने–कोने में फैली थी। उन्हें भौतिकी में 'नोबेल प्राइज' भी मिला। सम्पूर्ण विश्व के वैज्ञानिकों ने उन्हें एक स्वर में महानतम वैज्ञानिक घोषित किया।

ख. यह विधि की विडम्बना ही कही जायेगी कि जिस देश में जन्म लेकर उन्होंने अपनी मातृभूमि का नाम ऊँचा किया, उसी मातृभूमि पर हिटलर जैसे संकीर्ण सोच वाले तानाशाह का राज्य था। हिटलर ने जीवन में केवल घृणा ही सीखी थी। विशेषकर यहूदियों से तो उसे खासी चिढ़ थी। इस कारण आइंस्टीन अपना देश छोड़कर अमेरिका चले जाने को बाध्य हुए।

ग. हिटलर ने जीवन में केवल घृणा ही सीखी थी। विशेषकर यहूदियों से तो उसे खासी चिढ़ थी। आइस्टीन को जहाँ विज्ञान से अथाह प्रेम था वहीं वह मनुष्य मात्र के लिए करुणा से ओत–प्रोत थे।

घ. अल्बर्ट आइंस्टीन भी अहिंसा के प्रबल समर्थक होने के नाते गांधीजी के विचारों से समता रखते थे।

ङ. आइस्टीन को जहाँ विज्ञान से अथाह प्रेम था वहीं वह मनुष्य मात्र के लिए

करुणा से ओत-प्रोत थे। उनके जीवन का अधिकांश समय विज्ञान की गहनतम खोजों में व्यतीत हुआ।

भाषा-बोधन

क. संज्ञा के तीन भेद हैं - व्यक्तिवाचक, जातिवाचक व भाववाचक। निम्नलिखित शब्दों से संज्ञा के भेद बताइए -

व्यक्तिवाचक	जातिवाचक	भाववाचक
हिटलर	विश्व	घृणा
आइंस्टीन	मनुष्य	गर्व
महात्मा गांधी	परमाणु बम	अहिंसा
वैज्ञानिक		मानवता
जर्मनी, यहूदी		प्रतिभा
राजाओ		

ख. काल के तीन भेद हैं - भूतकाल, वर्तमान काल व भविष्य काल। निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त काल का भेद बताइए -

1. वर्तमान काल 2. भूतकाल 3. भूतकाल

4. भविष्यकाल 5. वर्तमान काल

आपकी कलम से

क. व ख स्वयं कीजिए।

पाठ-8 : भिक्षुक

1. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए-

क. मन को दु:खी करता ख. फटी पुरानी झोली का

ग. पेट मलते हुए घ. कुत्ते

2. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए-

क. कलेजे ख. दाने ग. फटी

घ. बायें ङ. आसुओं च. ओंठ

3. सत्य/असत्य लिखिए-

क. सत्य ख. सत्य ग. सत्य

घ. सत्य ङ. सत्य

4. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-**

क. भिक्षुक की दशा अत्यंत दयानीय है। भूख चिंता एवं दु:ख के कारण वह इतना कमजोर हो गया है कि लाठी के बिना चलने में भी असमर्थ है, इसलिए लाठी के सहारे चल रहा है। वह अपनी फटी-पुरानी झोली को फैलाकर लोगों से मुट्ठी भर दाने की गुहार लगा रहा है।

ख. भिखारी के साथ चलते बच्चे हमेशा भीख माँगने के लिए हाथ फैलाए रहते है बाएँ हाथ से पेट को मलते हुए चलते हैं मानों कई दिन से भूखे हो और दाहिने हाथ से दूसरों के सामने भीख माँगते हैं।

ग. भूख और प्यास से व्याकुल भिक्षुक केवल अपने आसुओं को पीकर रह जाता है अर्थात् चुपचाप अपने दु:ख को सहन कर लेता है।

घ. चाट रहे जूठी पत्तल वे सभी सड़क पर खड़े हुए, और झपट लेने को उनसे कुत्ते भी हैं अड़े हुए।

ङ. 'दाता-भाग्य-विधाता' भगवान के लिए प्रयुक्त हुआ है। क्योंकि इस संसार में भगवान ही सभी लोगों को उनके भाग्य के अनुसार देता है और फिर लोगों की मेहनत है जिसके आधार पर उन्हें उनकी मेहनत का फल मिलता है।

भाषा-बोधन

क. **कविता में प्रयुक्त स्वर-मैत्री वाले शब्दों को चुनिए-**

एक-टेक,	जाते-पाते,
फैलाए-बढ़ाए	खड़े हुए-अड़े हुए

ख. **पढ़िए और समः-**

1. दरिद्र -सुदामा एक दरिद्र ब्राह्मण थे।
   गरीब -गरीब व्यक्ति को सुख कहाँ ?
   निर्धन -निर्धन व्यक्ति का कोई मित्र नहीं होता।
2. विधाता - सृष्टि की रचना विधाता ने की है।
   ईश्वर - ईश्वर सब जगह विद्यमान है।
   दाता - दान करने वाला दाता कहलाता है।
3. दीन - सुदामा अत्यंत दीन दशा में श्री कृष्ण के पास गए।
   दु:खी - सीता को वन में न पाकर राम बहुत दु:खी हुए।
   लाचार - पास में पैसा न होने से वह बहुत लाचार हो गया।

4. करुणा – सेठ जी के स्वभाव में बहुत करुणा थी।
   दया – हमें दया की भावना रखनी चाहिए।
   रहम – सरकार ने किसानों पर रहम खाकर उनका कर्जा माफ कर दिया।

आपकी कलम से

क. व ख स्वयं कीजिए।

पाठ–10 : हिन्दी और अंग्रेजी

1. **सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–**

क. शिष्टाचारवश　　ख. कमी बताई　　ग. विनम्र होना

घ. अंग्रेजी को　　ङ. हिन्दी के

2. **कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–**

क. खुले मन से　　ख. लिपि　　ग. अपूर्ण

घ. उच्चारण　　ङ. अंग्रेजी

3. **निम्नलिखित कथनों को पढ़कर ✓और ✗ चिन्ह लगाइए–**

क. ✓　ख. ✗　ग. ✗　घ. ✓　ङ. ✓　च. ✓　छ. ✗

4. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

क. अंग्रेजी का कहना है कि मेरा डंका चारों ओर बजता है। मुझे बोलकर ही लोग सभ्य कहलाते हैं। इससे पता चलता है कि अंग्रेजी को स्वयं पर बड़ा अभिमान है।

ख. अंग्रेजी वर्णमाला अपूर्ण है। कभी ee तो कभी aa लिखते हैं। कुछ शब्द लिखे कुछ जाते हैं, बोले कुछ जाते हैं – जैसे – Knife को नाइफ बोलते हैं Knowledge को नॉलिज.....।

ग. स्वयं कीजिए।

घ. हिंदी के लेखक – तुलसी, सूर, कबीर, प्रेमचन्द, महादेवी, निराला ... आदि। अंग्रेजी के लेखक – शैली, कीट्स, बायरन, मिल्टन आदि।

ङ. 1. हिंदी में शुद्ध उच्चारण के लिए अनेक मात्राएँ होती हैं।
   2. हिंदी में छोटी–से–छोटी ध्वनि को भी लिखा जा सकता है।

भाषा–बोधन

क. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ बताते हुए उन्हें वाक्यों में प्रयुक्त कीजिए –

1. सितारा बुलंद होना – अच्छी किस्मत होना – भारतीय मजदूरों को सुविधाएँ देकर सरकार ने उनका सितारा बुलंद कर दिया।
2. डंका बजना – प्रभाव जमना – भारत ने सब देशों की टीमों को हराकर अपना डंका बजा दिया।
3. खुले मन से स्वागत करना – दिल से स्वागत करना – जब मंत्री स्कूल में पहुँचे तो प्रधानाचार्य और सभी बच्चों ने खुले मन से उनका स्वागत किया।
4. ठाठ–बाट होना – शानौ शौकत से रहना – प्राचीन काल में राजा, महाराजा बहुत ठाठ–बाट से रहते थे।
5. धूम मचाना – प्रसिद्ध होना – कुछ फिल्मों की तो लगने से पहले ही धूम मच जाती है।

ख. निम्नलिखित वाक्यों में कारकों के भेद लिखिए –

1. कर्म कारक 2. कर्ता कारक 3. सम्प्रदान कारक

4. अधिकरण कारक 5. संबंध कारण

आपकी कलम से

क. व ख स्वयं कीजिए।

पाठ–11 : अगला स्टेशन

1. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–

क. समाज को बदल डालो ख. रेलवे स्टेशन से ग. आश्वासनों के सहारे

घ. बेहया होना ङ. बत्ती ठीक करने की च. धिक्कारा

2. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–

क. पैसेंजर गाड़ी पर ख. दीपक राग ग. बुजुर्ग

घ. खद्‌दर ङ. तीन

3. निम्नलिखित कथनों को पढ़कर ✓और ✗ चिन्ह लगाइए–

क. ✓ ख. ✓ ग. ✗

घ. ✓ ङ. ✗ च. ✓

छ. ✗

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

क. लेखक को समाज सेवा करने की प्रेरणा फिल्मों से प्राप्त हुई।

ख. पैसेंजर गाड़ी में जो भी मुसाफिर चलते हैं उन्हें सिर्फ माल की तरह ढोती है। जहाँ मन आए, तहाँ रुकती है और धीरे-धीरे चलती है, रास्तेभर बिना पंखे और बिना बत्ती का सफर कराती है, पुराने डिब्बों का नया किराया लेती है और चार-छः घंटे आगे-पीछे पहुँचाती है। इसकी सुनवाई कहीं नहीं। यह मान लिया गया है कि पैसेंजर गाड़ी यानी मुसाफिर गाड़ी की वही नियति है। उसमें गाँव-गाँव में उतरने-चढ़ने वाला चलता है उसके लिए न तो बैठने की जगह की जरूरत है, न पंखे की, न बत्ती की और वक्त तो उसके पास अनंत होता है। उसके यहाँ वक्त के नाम पर सिर्फ सुबह, दोपहर, शाम और रात होती है, तो पैसेंजर गाड़ी सिर्फ सुबह, दोपहर, शाम या रात के वक्तों से बँधी हुई चलती है।

ग. लेखक ने गार्ड से डिब्बों में बत्ती और पंखा न होने की शिकायत की। थोड़ी देर तक वह चुपचाप अपनी चाय पीते रहे और कुलियों को सामान लादने की हिदायत देते रहे। लेखक ने अपनी बात दोहराई। उन्होंने एक बार लेखक की तरफ देखा और फिर कूलियों से बातें करने लगे। लेखक जानता था कि बेहयाई का गुण एक समाजसेवी में बड़ा लाजिमी होता है, अतः उसने फौरन अपनी बात को और भी तेजी से गार्ड साहब के सामने दोहराया। अबकी गार्ड साहब ने पहली बार जवाब दिया, ''कह तो दिया साहब, कि अभी सब ठीक हो जाएगा। प्लेटफार्म पर बिजली वाला होगा। उससे कह दीजिए। ठीक कर देगा।''

घ. मिस्त्री ने तैश में आकर पहली ही बार में उत्तर दिया, ''पंखा-वंखा नहीं चलेगा। बिजली भी राम भरोसे है।''

ङ. गार्ड साहब ने मिस्त्री से कहा कि तीन साल से तुम इस गाड़ी को आते-जाते देख रहे हो। कभी तुमने इसमें पंखा चलते देखा, या कभी बत्ती जलती देखी? नहीं न? फिर आज इस चीज को लेकर इतना गर्म होने की क्या जरूरत पड़ गई? मुसाफिरों से तो दो बोल मीठे-मीठे बोल ही सकते हो। कह दो कि 'बत्ती' आगे ठीक हो जाएगी पंखा अभी चलाए देते हैं। तुम भी जानते हो और हम भी जानते हैं कि न तो पंखा चलेगा और न रास्ते भर बत्ती जलेगी। ये मुसाफिर भी यह जानते हैं। ये भी अँधेरे में बिना पंखे के चलने के आदी हैं।

च. मिस्त्री के पास कोई जवाब न था। गार्ड साहब ने सीटी बजा दी और झंडी

और रोशनी हिलाना शुरू कर दिया। लेखक के पास शिकायत दोहराने का वक्त नहीं था। कुछ डिब्बों से निकले हुए मुसाफिर गाड़ी लेट होने की वजह उसी को बताते हुए उसे ही धिक्कार रहे थे और चुपचाप अपने डिब्बे में लौट जाने के लिए कह रहे थे।

भाषा-बोधन

क. स्वयं कीजिए।

ख. इसी प्रकार से सम्बन्धित शब्द लिखिए-

विद्‌यालय - क्लास रूम, ऑफिस, खेल का मैदान, प्रार्थनास्थल, स्टाफरूम आदि।

अस्पताल - डाक्टर, नर्स, मरीज, चिकित्साकक्ष, ऑपरेशन कक्ष, एक्सरे कक्ष आदि।

पार्क- झूले, फूल, घास, झरने, बच्चे, बूढ़े, पेड़-पौधे फव्वारे आदि।

मेला- खिलौने, मिठाईयों की दुकानें, झूलें, चाट-पकौड़ी के ठेले, बर्तनों की दुकानें, श्रृगार-प्रसाधनों की दुकानें, सर्कस, मौत का कुंआँ आदि।

आपकी कलम से

क. व ख स्वयं कीजिए।

पाठ-12 : ज्ञान और भक्ति

1. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए-

क. गरीबी　　ख. संत मिलन　　ग. नन्दधाम में

घ. धाय के रूप में　　ङ. कृष्ण के संकोच की

2. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए-

क. परहित　　ख. दुष्ट　　ग. यशोदा

घ. धाय　　ङ. माखन-रोटी

3. शब्दों के उचित अर्थ के साथ मिलान कीजिए-

शब्द	अर्थ
सम	समान
चराचर	जड़चेतन
परस मनि	पारसमणि

काया	शरीर
सुभाउ	स्वभाव
तरू	वृक्ष
अहि	सर्प
मूषक	चूहा
रज	धूल
भजि	भागना

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

क. जो अपने शरीर से हरी का भजन करता है उसका शरीर सर्वश्रेष्ठ माना जाता है क्योंकि जिस भगवान ने हमें यह सुंदर शरीर दिया है उस शरीर से हमें भगवान का भजन करना चाहिए।

ख. संसार का सबसे बड़ा सुख संत लोगों का मिलना है और सबसे बड़ा दु:ख गरीबी है।

ग. दुष्ट लोग बिना किसी स्वार्थ के साँप और चूहे के समान अकारण ही दूसरों का अपकार करते हैं।

घ. यशोदा के आँगन में कृष्ण अपने आप से बातें कर रहे हैं।

भाषा–बोधन

क. निम्न शब्दों के दो–दो पर्यायवाची लिखिए–

नर–मानव, मनुष्य	देह – शरीर, काया
हरि – इन्द्र, विष्णु	दरिद्र – गरीब, निर्धन
तरु – वृक्ष, पेड़	अहि – साँप, सर्प
जग – संसार, जगत	

2. निम्नलिखित शब्द अवधी व ब्रज भाषा के हैं। इनका हिन्दी रूप लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए :–

स्वयं कीजिए।

आपकी कलम से

क. व ख स्वयं कीजिए।

पाठ–13 : उपहार

1. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए-

क. गणतन्त्र दिवस के अवसर पर   ख. गुलदस्ता

ग. भूल नहीं पाते   घ. मिट्टी   ङ. स्वदेश लौटने का

2. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए-

क. असीमित   ख. गुलदस्ता   ग. गुयाना के राष्ट्रपति

घ. मिट्टी   ङ. बुद्धिजीवियों

3. निम्नलिखित कथनों को पढ़कर ✓और ✗ चिन्ह लगाइए-

क. ✗   ख. ✗   ग. ✓

घ. ✓   ङ. ✗   च. ✓

छ. ✓

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

क. पिताजी बोले-''बेटा, यह उपहार तुम्हें किसी ने दिया था, जो शर्म के मारे मैं तुम्हें दे नहीं पा रहा था।

ख. जो लोग अपने वतन की मिट्टी से नहीं जुड़े होते, उनका हाल इस सूखे वृक्ष के समान होता है। उनके पत्ते, हरियाली विहीन और वृक्ष से गिरकर अलग हो जाते हैं। वे अपना वास्तविक सौंदर्य खो चुके होते हैं। तुलनात्मक दृष्टि से हम इन सूखे वृक्षों की शाखाओं को यहाँ की सड़कें मान सकते हैं और इन लम्बे काँटों को कंकड़-पत्थर की बहुमंजिली इमारतें, और इन रंग -बिरंगे मोतियों को रंग-विहीन जीवन जो यथार्थ से परे है। इनके जीवन में कोई सच्चा मोती नहीं होता है। इसमें रहने वाले मशीनी व्यक्ति बस मृगतृष्णा, भागमभाग जिन्दगी के बीच जीते रहते हैं। जब कभी किसी अप्रवासी की मृत्यु अकस्मात् हो जाती है तो वह इसी प्रकार पारदर्शी पन्नी में लिपटकर अपने वतन वापस आता है।

ग. ''जरूर तेरी माँ ने इस मिट्टी को इसलिए इसमें रखा होगा कि जब कभी तू इस मिट्टी को देखेगा तो माँ और मातृभूमि की अवश्य याद आयेगी। और हो सकता है, तुझे अपने वतन की भी याद आ जायें।''

घ. विदेश में जब भी लेखक किसी अप्रवासी को देखता है तो उसे अपना देश, अपना गाँव, उनकी वेशभूषा याद आ जाती है। अब लगने लगा कि इतने दिनों से हम किसी के मेहमान बनकर रह रहे हैं। यहाँ की हर चीज पर यह

प्रतिबंध लगा है।

ङ. स्वयं कीजिए।

भाषा–बोधन

क. इसी प्रकार 'ली' प्रत्यय जोड़कर पाँच शब्द लिखिए:–

शब्द + प्रत्यय	**नया शब्द**	**शब्द + प्रत्यय**	**नया शब्द**
निरा + ली	निराली	तक + ली	तकली
पत + ली	पतली	मंझ + ली	मंझली
मछ + ली	मछली		

ख. पाठ में आए ऐसे शब्द ढूँढिए जिनमें 'उपसर्ग' तथा 'प्रत्यय' दोनों का प्रयोग हुआ हों:–

शब्द	**उपसर्ग + शब्द + प्रत्यय**
प्रसारित	प्र + सार + इत
अशिक्षित	अ + शिक्ष + इत
प्राथमिक	प्र + आथम + इक
बहुमंजिली	बहु + मंजिल + ई
अप्रवासी	अ + प्रवास + ई
पारदर्शी	पार + दर्श + ई
सद्बुद्धि	सद् + बुद्ध + ई

ग. पेड़ – पौधे, लाड़ – प्यार, रंग – बिरंगे

सोचने – समझने आने – जाने

आपकी कलम से

क. ख ग. स्वयं कीजिए।

पाठ–15 : पहला सुख निरोगी काया

1. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–

क. उचित आहार–विहार व व्यायाम

ख. रोगों के रूप में

ग. स्वादवश

घ. भोगों में सुख नहीं है

ङ. क्रोध व आलस्य

2. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–

क. स्वस्थ शरीर	ख. देखभाल	ग. अस्वच्छता
घ. वसायुक्त	ङ. अभाव	च. भोगों

3. उचित मिलान कीजिए –

'अ'	'ब'
पहला सुख	निरोगी काया
अस्वस्थ शरीर	भार स्वरूप
स्वास्थ्य के मित्र	संगीत सुनना
स्वास्थ्य के शत्रु	चिंता, घृणा
अंधाधुंध भोगों का परिणाम	रोगी काया
उचित आहार	हरी सब्जियाँ दालें

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

क. ''पहला सुख निरोगी काया है'' अर्थात् इस संसार के सभी सुखों में सर्वप्रथम सुख है स्वस्थ शरीर। यदि शरीर स्वस्थ है तो जीवन का कोई अर्थ है अन्यथा वह केवल भारस्वरूप है।

ख. उचित आहार–विहार तथा व्यायाम से व्यक्ति सरलता से स्वस्थ रह सकता है।

ग. इस मशीनी युग में प्राय: हर काम के लिए उपकरण हैं। अत: व्यक्ति को अलग से व्यायाम करने की आवश्यकता पड़ती है। पहले जब सारे काम हाथों से ही करने पड़ते थे तो दैनिक कामों को करने में ही व्यायाम हो जाता था, किन्तु अब ऐसा नहीं है। विद्यार्थी वर्ग हो अथवा दफ्तरों में कार्य करने वाले लोग, प्राय: उनका अधिकांश समय बैठे–बैठे ही व्यतीत होता है। फलस्वरूप उनमें शारीरिक शिथिलता आने लगती है। उनकी मांसपेशियाँ कमजोर पड़ जाती हैं। इसके लिए आवश्यक है कि प्रात: ही नियमित रूप से कोई–न–कोई कसरत, सैर या दौड़ आदि के रूप में व्यायाम कर लिया जाये।

घ. खेद की बात है कि व्यक्ति के पास धन व सुविधाएँ तो निरन्तर बढ़ रही हैं किन्तु उसकी सेहत चौपट होती जा रही है। मरीजों की भारी संख्या इस बात का प्रमाण है। प्रदूषण के चलते स्वास्थ्य को पहले ही एक गंभीर संकट से जूझना पड़ रहा है, ऊपर से व्यायाम का अभाव तो और अधिक अनर्थकारी है।

ङ. स्वस्थ मनोरंजन के लिए अच्छी पुस्तकें पढ़ना, खेल-कूद, मित्रों से कुछ बातचीत, संगीत सुनना, नृत्य आदि करना।

भाषा-बोधन

क. निम्नलिखित शब्दों के विषय में बताइए कि इनके अन्तर्गत क्या-क्या आ सकता है-

नशा	- शराब, अफीम, चरस, गांजा, कुबेर, खैनी, गुटका आदि।
क्रूरता	- गुस्सा, क्रोध, सताना, मारना, कठोर, बुरा काम आदि।
मनोरंजन	- टेलीविजन, रेडियो, नाटक, संगीत, नृत्य एवं गायन आदि।
गद्य	- नाटक, कहानी, उपन्यास, निबन्ध, आत्मकथा, पत्र आदि।
पद्य	- कविता, श्लोक, दोहे, पदावली, चौपाई, गीत, आदि
शिक्षा	- शिक्षाज्ञान, उचित आचरण, तकनीति दक्षता, विद्या आदि।

ख. वाक्यों में प्रयुक्त रेखांकित संज्ञा शब्दों के स्थान पर उचित सर्वनाम शब्दों का प्रयोग कर भेद बताइए -

1. उन्होंने बड़े गंभीर विचार-विमर्श के पश्चात निर्णय लिया।
2. उचित आहार में पौष्टिक तत्व होते हैं।
3. प्रकृति ने उस को दिव्य उपहार दिए हैं।
4. सभी भली-भाँति जानते हैं कि व्यायाम लाभकारी है।

आपकी कलम से

क, ख व ग स्वयं कीजिए।

पाठ-16 : 'प्रियतम'

1. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए-

क. आपका प्रियतम कौन है ख. अपने कार्य को पूजा के समान समझता है

ग. विश्व परिक्रमा करके आओ

घ. जो अपने दायित्व को पूरे मन से निभाता है

ङ. एक बार भी नहीं

2. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए-

क. हल ख. राम जी का ग. तीन

घ. पृथ्वीलोग ङ. विष्णु जी

3. निम्नलिखित कथनों को पढ़कर ✓ और ✗ चिन्ह लगाइए–

क. ✓	ख. ✗	ग. ✓
घ. ✓	ङ. ✗	च. ✗
छ. ✓		

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

क. नारद जी ने विष्णु से प्रश्न किया कि 'पृथ्वी पर उनका मुख्य और यशस्वी भक्त कौन है' ?

ख. विष्णु ने एक सज्जन किसान को अपना प्रियतम बताया क्योंकि वह किसान ईश्वर को प्रसन्न करने के लिए अपने दायित्व को पूर्ण सर्मपण और ईमानदारी से करता था।

ग. किसान भगवान को प्रातः काल, दोपहर और शाम को रोज याद करता था।

घ. विष्णु जी ने नारद जी को एक तेल का पात्र देकर कहा कि वे उस पात्र को लेकर भूमंडल की परिक्रमा करें साथ ही यह ध्यान रखें कि तेल की एक बूँद भी पात्र से न गिरें। विष्णु जी ने यह कार्य नारद जी को अपने भक्त की भक्ति और आस्था का प्रमाण देने के लिए दिया।

ङ. परिक्रमा करके लौटते समय नारद जी का हृदय उल्लास से भरा था क्योंकि विष्णु जी द्वारा दिया गया कार्य उन्होंने पूरा कर लिया था और अब वे उस कार्य के पीछे का रहस्य जान पाऐंगे।

भाषा–बोधन

क. निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची लिखो–

1. विष्णु	– नारायण,	दामोदर,	जर्नादन
2. मृत्युलोक	– यमलोक	परधाम,	वैकुंठधाम
3. उल्लास	– खुशी,	उल्लास,	आमोद
4. कार्य	– काम,	कर्म,	कंदर्प
5. सत्य	– सच्चा,	सच,	सत्यता

ख. निम्नलिखित शब्दों से उपसर्ग अलग करके प्रत्यय जोड़कर नए शब्द बनाइए:–

	उपसर्ग	शब्द	प्रत्यय	प्रत्यय जोड़कर नए शब्द
1.	अन	आवश्यकता	ता	आवश्यकता

2.	स	विशेष	ता	विशेषता
3.	अ	सत्य	वादी	सत्यवादी
4.	वि	वाद	ई	वादी
5.	भू	मंडल	ई	मंडली

आपकी कलम से

क. व ख स्वयं कीजिए।

पाठ–17 : माँजी

1. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–

क. सलवार सूट | ख. देसी घी की
ग. घर की सार–सँभाल करना | घ. ओडोमॉस
ङ. कठोर | च. पति का कठोर शासन

2. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–

क. सोने के | ख. दो | ग. माँजी की
घ. हरे | ङ. चक्र | च. निर्वासितों

3. निम्नलिखित कथनों को पढ़कर ✓और ✗ चिन्ह लगाइए–

क. ✗ | ख. ✓ | ग. ✓
घ. ✗ | ङ. ✓ | च. ✗

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

क. चुप रहना माँजी की आदत थी और चुपचाप सबकी सेवा करते हुए वह किसी को आभास भी न होने देती थीं कि उन्होंने कुछ किया है। एक बड़े परिवार में चार बेटों व पति सभी को उनकी रुचि का अलग–अलग प्रकार का खाना बनाकर खिलाना, पूरे घर की सार–सँभाल, दूसरे शहरों में बस रहे दो बेटों का परिवार सहित आना–जाना भी प्राय: लगा रहता। रिश्तेदारों का भी आवागमन रोजाना की बात थी। सबके आगमन पर उनका स्वागत ऐसे किया जाता मानों उनसे अधिक महत्वपूर्ण संसार में और कुछ भी नहीं।

ख. माँजी के घर में विशिष्ट अतिथियों के लिए विविध व्यंजनों का रसास्वादन, ढेर सारा प्यार–दुलार, मौज–मस्ती और बड़े से घर के अन्दर कुछ भी कर सकने की स्वतन्त्रता।

ग. कमजोर आर्थिक स्थिति के चलते माँजी की दूरदृष्टि व करुणा से हमें अपनी वह सभी हसरतें पूरी होती दिखायी पड़तीं, जिन्हें हम शिष्टाचारवश हृदय में ही दफन करने के लिए विवश थे। प्यारी-सी गुड़िया, रंगीन पेन्सिलें, शीशे व मोती-जड़ी अँगूठी, आदि फरमाइश की सभी चीजें दिलवाने के बाद हरे पत्ते पर बिन मिर्च की चाट-पापड़ी खिलवाना भी वह नहीं भूलती।

घ. आँगन में बिछी परिवार के हर सदस्य की चारपाई के नीचे वह एक-एक पानी का लोटा स्टील की कटोरी से ढककर रख रही होतीं फिर अधसोए सभी परिवारजनों के पैरों पर ओडोमॉस मलतीं कि कहीं उन्हें नींद में मच्छर न काट लें।

ङ. दादाजी के कठोर स्वभाव के कारण पिताजी अपने पैतृक घर में ही निर्वासितों की तरह जिए हैं और इसी कुंठा ने उन्हें चिड़चिड़ा बना दिया था।

भाषा-बोधन

क. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थक शब्द बताइए-

मूक	-गूँगा, अवाक्	लाचार	- बेबश
सुगन्ध	- खुशबू, महक	चांद	- चंद्रमा
संसार	- जगत	पुलक	-रोमांच
चेष्टा	-कोशिश		

ख. निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थक (विलोम) बताइए -

शब्द	**विलोम**	**शब्द**	**विलोम**
असंभव	संभव	स्वर्ग	नरक
स्वतन्त्रता	परतन्त्रता	निष्ठुर	करुण
महत्वपूर्ण	महत्त्वहीन	सुनिश्चित	अस्पष्ट, अज्ञात
विनम्र	उग्र	प्रेम	घृणा

ग. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ बताते हुए उन्हें वाक्यों में प्रयुक्त कीजिए -

महासागर - जल की बहुत बड़ी राशि-हिंद महासागर विश्व का सबसे बड़ा महासागर है।

हिलोरे लेना - मौजे मारना - नदी में जल की धारा हिलोरे ले रही हैं।

पुलक उठना - रोमांचित होना - कभी-कभी मन शादी के नाम से पुलक उठता है।

आज्ञा-शिरोधार्य - आदरपूर्वक स्वीकार करना - श्रीराम को 14 वर्ष के लिए वनवास का आदेश मिला तो उन्होंने आज्ञा शिरोधार्य की।

पलक-झपकना – थोड़े समय में – पलक झपकते ही चोर चोरी करके फरार हो गया।

वक्र भृकुटी – बहुत अधिक क्रोधित होना – पिताजी वक्र पड़ती हुई भृकुटी के सामने माता जी विवश हो गयीं।

आँखों में उमड़ी गंगा-जमुना – बहुत अधिक रोना आना – पिताजी का इशारा पाकर आँखों में उमड़ी गंगा-जमुना की धाराओं के बीच माँजी का चेहरा ओझल होने लगा।

आपकी कलम से

क. व ख स्वयं कीजिए।

पाठ-18 : पिता का पत्र : प्रधानाचार्य को (पत्र)

1. **सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए-**

क. अलग-अलग तरह के ख. मेहनत की कमाई ग. अन्तरात्मा का

घ. सत्य और न्याय के लिए संघर्ष के लिए ङ. प्रधानाचार्य को

2. **कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए-**

क. समाज ख. परिश्रम ग. आग घ. जी जान से

3. **उचित मिलान कीजिए -**

'अ'	'ब'
दुष्ट	सज्जन
स्वार्थी	समर्पित
विजय	पराजय
शोक	खुशी
उचित	अनुचित
सत्य	असत्य
न्याय	अन्याय

4. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-**

क. समाज में दुष्ट लोग भी हैं और सज्जन भी, जिनका उल्लेख लिंकन ने पाठ में किया है।

ख. आकाश में विचरण करते पक्षियों, खिली धूप में खिले पुष्पों के शाश्वत रहस्यों की बात की गई है।

ग. बिना विचार किए किसी की देखी काम न करें।

घ. सत्य और न्याय के लिए मनुष्य में साहस और दृढ़ता जैसे गुणों का होना अनिवार्य है।

ङ. आग की तपिश ही लोहे को इस्पात बनाती है उसमें इतना साहस हो कि वह सदैव कुछ करने को तत्पर हो। उसमें निर्भीक बनने का साहस हो।

भाषा-बोधन

क. पाठ में आए विशेषण शब्दों को छाँटिए:-

दुष्ट, सज्जन, कोमल

ख. निम्नलिखित शब्द दो शब्दों के मेल से बने हैं, इन्हें पृथक-पृथक कीजिए:-

राजनीतिज्ञ	राज	+	नीतिज्ञ
निष्ठावान्	निष्ठा	+	वान्
पराजय	पर	+	अजय
बाहुबल	बाहु	+	बल
अन्तरात्मा	अन्तर	+	आत्मा
आस्थावान्	आस्था	+	वान्

ग. पढ़िए, समझिए और लिखिए:-

हास्य से युक्त	- हास्ययुक्त	शोक से विह्वल	-शोकविह्वल
करुणा से परिपूर्ण	- करुणापूर्ण	संकट से घिरा	-संकटग्रस्त

आपकी कलम से

क. व ख स्वयं कीजिए।

पाठ-19 : वाणी है अनमोल

1. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए-

क. उसका मन ख. केवल वाणी एवं कर्म में

ग. विनम्रता व आदरयुक्त रीति से बात करना

घ. अपनी वाणी को

ङ. जब सभी अनमोल वाणी का प्रयोग करना सीख सकेंगे

2. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–

क. मुस्तैद ख. संकल्प ग. सन्तुलित

घ. वाणी ङ. शब्द

3. निम्नलिखित कथनों को पढ़कर ✓और ✗ चिन्ह लगाइए–

क. असत्य ख. सत्य ग. सत्य

घ. असत्य ङ. सत्य च. सत्य

छ. सत्य

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

क. शरीर की प्रवृत्तियों का मुख्य संचालक मनुष्य का मन है। मनुष्य का मन निर्मल है अथवा मलिन, सरल अथवा कुटिल। मन स्वयं को स्वत: ही अपने कार्य व्यवहार एवं वाणी में प्रकट कर देता है। यहीं मनुष्य के शरीर का स्वरूप है।

ख. मनुष्य का वास्तविक परिचय उसके मन से होता है। शिष्टाचारयुक्त मधुर वाणी एक संतुलित मन का परिचय देती है और अहंकारपूर्ण, क्रोधयुक्त वाणी विषैले मन की सूचक है।

ग. दूसरों के लिए गलत टिप्पणियाँ करना, दूसरों का मजाक बनाना, झूठ बोलना, निंदा करना यह सब वाणी के दोष हैं। इसके विपरीत यथासमय उचित और मधुर वाणी सब कार्यों को सँवार देती है। विनम्रतापूर्वक एवं आदरयुक्त रीति से बात करना ही मधुर वाणी के गुण है।

घ. अच्छी वाणी का मूल स्रोत स्वच्छ मन है। इसे प्रशिक्षण मात्र से नहीं पाया जा सकता। यदि मन विरोध से भरा है तो शब्दों में वह अवश्य ही प्रकट होगा। इसी प्रकार यदि मन निर्मल और दोषमुक्त है तो शब्द हितकारी, सत्य और मधुर होंगे।

ङ. आधुनिक मनुष्य के तनावग्रस्त होने का प्रमुख कारण दूसरों के द्वारा कहे गए कठोर शब्दों की कसक है। शब्द बाण से भी अधिक भेदक और वज्र से भी अधिक घातक सिद्ध हो सकता है जो मनुष्य को मानसिक रोगी बना डालती है।

च. यदि मनुष्य अपनी अनमोल वाणी को भली भाँति प्रयोग करना सीख ले तो विश्व में मैत्री, सुख व सौहार्द का सुन्दर वातावरण बनाया जा सकता है।

भाषा–बोधन

क. एक ही मूल से बने शब्द एक परिवार के कहे जाते हैं। इसी प्रकार इन शब्दों से शब्द परिवार बनाइए –

क. सम्मान	सम्मानीय,		सम्मानपूर्वक
ख. ज्ञान,	ज्ञानवान्,	ज्ञानवर्धक,	ज्ञानपूर्वक
ग. धन,	धनवान,	धनाश्य,	धनलाभ
घ. शांति,	शांतिवान,	शांतिमय,	शांतिपूर्ण

ख. पाठ में से ऐसे वाक्यों का चयन कीजिए जहाँ निपात का प्रयोग किया गया हो –

1. बोलने का गुण जगत में केवल मनुष्य को **ही** मिला है।
2. अच्छी वाणी स्वच्छ मन से **ही** उपजती है।
3. मूल रूप से मन को **ही** निर्मल बनाना होगा।
4. कर्मचारियों को **भी** अपने अधिकारियों से यही गिला रहता है।
5. शब्द बाण से **भी** अधिक भेदक और व्रज से भी अधिक घातक सिद्ध हो सकता है।
6. उसके कान आज **भी** मधुर बातों के लिए तरसते हैं।

आपकी कलम से

क. व ख स्वयं कीजिए।

पाठ–20 : मोहजाल

1. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–

क. आकर्षक वस्तुएँ देखकर ख. होमवर्क करने की बात सुनकर

ग. पिछड़े और पुराने टाइप के हैं

घ. विज्ञापनों के मोहजाल में ङ. सादगी में ही सुख है

2. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–

क. फटीचर ख. आधुनिक ग. स्नेहपूर्वक

घ. बीस ङ. नमक–अजवायन

3. निम्नलिखित कथनों को पढ़कर ✓ और ✗ चिन्ह लगाइए–

क. ✗ ख. ✓ ग. ✓

घ. ✗ ङ. ✓

4. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

क. निक्कू टेलीविजन बड़े गौर से देखता था। तरह–तरह की सुंदर और आकर्षक वस्तुएँ देखकर उसका हृदय उमगने लगता।

ख. रात के खाने में उसके ठंडा 'पिज्जा' और 'बर्गर' खाया। सहसा उसका जी मिचलाने लगा और पेट में तीव्र पीड़ा होने लगी।

ग. माँ ने निक्कू की बहन से कहा – ''भैया को घर का खाना पसंद नहीं। वह तो अपनी पसंद के खाने के लिए पैसे ले जा चुका है। चलो हम खाना खाएँ।''

घ. निक्कू का बार–बार जिद्द करना उचित नहीं था क्योंकि निक्कू अपने आपको आधुनिक विचारों का समझता था। यह सब विज्ञापनों का मोहजाल था जो वह टी०वी० देखता था।

ङ. आज सारा दिन उसने अपनी इच्छानुसार पसन्द का भोजन किया; पसन्द का सामान खरीदा, फिर भी रात को वह इतना परेशान हो गया। तब निक्कू को अपनी गलती का अहसास हुआ।

च. हमारे देश में इलाज की अनेकों प्रचलित पद्धतियाँ हैं। माँ ने अजवायन और नमक के मिश्रण से निक्कू के पेट दर्द का इलाज किया था।

भाषा–बोधन

क. इन शब्दों के अंग्रेजी, हिन्दी और उर्दू तीनों वर्गों में अलग–अलग लिखिए–

अंग्रेजी	**हिंदी**	**उर्दू**
परफ्यूम	दरवाजा	द्वार
शैम्पू	सुंदर	खूबसूरत
कास्मेटिक	मजबूत	
टाइप	आसान, आकर्षक	अंदाजा
	सहज, दृढ़, दीपक	

ख. नीचे दिए गए शब्दों में संज्ञा का भेद बताइए–

शब्द	**संज्ञा**	**शब्द**	**संज्ञा**
टेलीविजन	जातिवाचक संज्ञा	सुन्दरता	भाववाचक संज्ञा
शैम्पू	व्यक्तिवाचक	आनन्द	भाववाचक संज्ञा
सुगन्ध	भाववाचक संज्ञा	मित्र	भाववाचक संज्ञा

वस्तु	व्यक्तिवाचक संज्ञा	पिज्जा	व्यक्तिवाचक संज्ञा
मूर्खता	भाववाचक संज्ञा	अजवायन	व्यक्तिवाचक संज्ञा

आपकी कलम से

क. व ख स्वयं कीजिए।

भव्या - 8

पाठ-1 : फिर माँ को प्रणाम करें

1. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए-

क. भारत माँ का   ख. गंगा-यमुना की जलधारा को

ग. आतंक फैलाने का काम   घ. जो माँ के स्वाभिमान को तोड़े

ङ. देशभक्तों का

2. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए-

क. मलिन   ख. श्रृंगार   ग. कृतघ्न

घ. अपमानित   ङ. देशभक्त

3. उचित विशेषण व विशेष्य को जोड़ते हुए मिलान कीजिए-

खण्ड 'अ'	**खण्ड 'ब'**
निष्ठुर	जन
निर्मल	जल
स्वार्थी	सौदागर
कृतघ्न	संतान

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

क. निष्ठुर और दयाहीन लोगों ने गंगा जमुना की जलधारा को मलिन किया है।

ख. देश के नागरिक को अपनी मातृभूमि के प्रति समर्पित रहना चाहिए। अपनी मातृभूमि पर हमें सदा सर्वस्व न्योछावर कर देने के लिए तैयार रहना चाहिए।

ग. जो भारत माँ की शोभा को कलंकित करें, उसे कवयित्री ने स्वार्थी सौदागर कहा है।

घ. मातृभूमि के स्वाभिमान को चोट पहुँचाने वाले लोगों को स्वयं उनकी ही संतान अपमानित करें।

ड. भारत माँ का शीश ऊँचा रखने वाला जो देशभक्त बिना स्वार्थ के अपने प्राण न्योछावर करते हैं। ऐसे देशभक्त को मातृभूमि का लाड़ला कहा है, उसके बलिदान के कारण उसका यशेगान करना चाहिए।

च. जो भारत माँ से विश्वासघात करें। इधर-उधर आतंक फैलाकर, स्वार्थी सौदागर बनकर भारत माँ की मर्यादा को कलंकित करें।

छ. भारत माता का सम्मान करके हम माँ को प्रणाम कर सकते हैं।

भाषा-बोधन

क. निम्न शब्दों के दो-दो पर्यायवाची लिखो -

शब्द	पर्यायवाची	शब्द	पर्यायवाची
निर्मम	- निर्दयी, बेरहम	माँ	- जननी, माता
संतान	- औलाद, बच्चे	प्रणाम	-अभिवादन, नमस्ते
जन	- लोग, मनुष्य	जल	- पानी, नीर

ख. कविता में प्रयुक्त ऐसे शब्दों को छाँटिए जिनमें उपसर्ग/प्रत्यय का प्रयोग किया गया हो-

उपसर्ग + शब्द	नया शब्द	शब्द + प्रत्यय	नया शब्द
निर् + मम	निर्मम	कलंक + इत	कलंकित
निर् + मल	निर्मल	स्वार्थ + ई	स्वार्थी
आ + भार	आभार	स्वभाव + इक	स्वाभाविक
आ + दान	आदान	अपमान + इत	अपमानित
प्र + दान	प्रदान		
प्र + णाम	प्रणाम		
स्व + अभिमान	स्वाभिमान		

आपकी कलम से

क. व ख स्वयं कीजिए।

पाठ-2 : भय और साहस

1. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए-

क. क्रोध　　　ख. चिंता का

ग. जो अपनी सहायता स्वयं करें

घ. साहस　　　ङ. स्वामी विवेकानन्द ने

2. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए-

क. भय　　　ख. कायर　　　ग. परमात्मा

घ. लेखक　　　ङ. समयानुसार

3. सत्य/असत्य लिखिए -

क. असत्य,　　　ख. सत्य　　　ग. सत्य

घ. सत्य ङ. सत्य च. सत्य

4. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

क. भय मानव जाति का सबसे शक्तिशाली शत्रु है। राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न धर्मों, जातियों एवं संप्रदायों के बीच भय की संभावना होने से ही तरह–तरह के दंगे–फसाद, झगड़े आदि होते हैं। आतंकवादी गतिविधियों का लक्ष्य भी शत्रु देश के निवासियों में इतना भय फैलाना होता है कि वहाँ की सरकार तथा जन–जीवन ही ठप हो जाए।

ख. भय के कारण ही व्यक्ति तरह–तरह की चिंताओ और आतंक का शिकार बनता है। इसके कारण वह अनेक शारीरिक और मानसिक रोगों से भी पीड़ित हो जाता है। भय का मूल भाव एक है, पर वह अनेक रूपों में प्रकट होता है। भय से ही वह चिंता उत्पन्न होती है, जिसे चिता से भी अधिक पीड़ादायक माना जाता है। ईर्ष्या, द्वेष, संशय, अंधविश्वास, असहनशीलता, अति लोभ, घोर कंजूसी, अति खर्चीलापन आदि भय के विभिन्न रूप हैं। भय मनुष्य के अंग–प्रत्यंग और मस्तिष्क को अकर्मण्य बनाने का यत्न करता है जिसके फलस्वरूप मनुष्य की प्रसन्नता और कार्यकुशलता नष्ट हो जाती है।

ग. अमरीका के अब्राहम लिंकन या मार्टिन लूथर किंग हो; भारत के महात्मा गांधी अथवा सुभाषचंद्र बोस हों; वैज्ञानिक आइन्स्टीन हों या जयंत नार्लिकर; व्यापारी जमशेद जी टाटा हों या हेनरी फोर्ड– इन सभी में अन्य गुणों के साथ जो गुण आवश्यक रूप में था, वह था साहस। इस एक साहस के बिना उनके सभी गुण व्यर्थ हो जाते।

घ. जीवन का कोई भी क्षेत्र हो – अंतरिक्ष या सागर, राजनीति अथवा धर्म, व्यापार या नौकरी, विज्ञान अथवा साहित्य–सफलता सदैव उन लोगों को प्राप्त हुई है, जिन्होंने साहस किया है, हिम्मत जुटाई है। इसीलिए कहते हैं – 'हिम्मत मर्दा मददे–खुदा'। जो हिम्मत करता है, उसकी परमात्मा भी सहायता करता है।

ड. राहुल सांकृत्यायन ने एक स्थान पर लिखा है – 'भागो नहीं, बदलो।' जीवन की समस्याओं और कठिनाइयों को देखकर भागना कायरता है। साहसी व्यक्ति उनका सामना ही नहीं करते, उन समस्याओं को ही अपनी सफलता की सीढ़ी के रूप में बदल देते हैं।

भाषा–बोधन

क. निम्नलिखित शब्द वर्तनी की दृष्टि से अशुद्ध हैं, इन्हें शुद्ध कीजिए–

परशिक्षण	– प्रशिक्षण	करमचारि	–कर्मचारी
मस्तिश्क	– मस्तिष्क	सन्तुलित	– संतुलित
नियनतरित	– नियंत्रित		

ख. निम्नलिखित शब्दों में उपयुक्त उपसर्ग लगाकर शब्द निर्माण कीजिए –

उपसर्ग + शब्द	**नया शब्द**	**उपसर्ग + शब्द**	**नया शब्द**
अ + धड़	अधड़	अप + यश	अपयश
सु + दर्शन	सुदर्शन	सु + पुत्र	सुपुत्र
बे + मन	बेमन	कु + मार्ग	कुमार्ग

आपकी कलम से

क. व ख स्वयं कीजिए।

पाठ–3 : कला और कलाकार

1. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–

क. कला

ख. विषय–क्षेत्र का सूक्ष्मता से अध्ययन

ग. कलाकार के लिए

घ. अवसर की

ङ. शिल्पकला का

च. कलाकार

2. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–

क. प्रचंड

ख. आनन्द

ग. तल्लीनता

घ. आनन्द

ङ. प्रेमचन्द

3. सत्य/असत्य लिखिए–

क. सत्य

ख. असत्य

ग. सत्य

घ. असत्य

ङ. सत्य

च. सत्य

छ. सत्य

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

क. संसार के संघर्षों से थका मनुष्य चाहता है कि वह किसी एक लोक में विचरण करें जिसमें वह सांसारिक समस्याएँ और इनकी जटिलताएँ भूलकर आनंद में खो जाए।

ख. नृत्य, संगीत, अभिनय, लेखन, वादन व चित्रकला आदि सभी कला के अन्तर्गत आते हैं।

ग. कलाकार बनने के लिए आवश्यक है – अपने विषय–क्षेत्र का सूक्ष्मता से अध्ययन एवं सौन्दर्य–बोध। संसार के अनगढ़ दृश्यों में से चित्रकार की आँखें अद्‌भुत दृश्यों को खोज लेती हैं और वह उन्हें अपने मानस में उतारकर कागज पर सजीव कर देता है।

घ. वास्तव में सच्चा कलाकार कभी इस बात की परवाह ही नहीं करेगा कि सारी दुनिया उसे जाने, उसे प्रेम करे, उसे धन दे। यदि वास्तव में उसे अपनी कला से प्रेम है तो कला–कार्य करते हुए ही उसे इतना आनंद मिलेगा कि अन्य सभी बातें गौण हो जायेंगी।

ङ. कलाकार अपनी प्रतिभा से एक नूतन जगत की सृष्टि करता है। समाज को समय से उसकी प्रतिभा को पहचानना होगा अन्यथा सरस्वती के साधकों की सेवा का सुअवसर हाथ से निकल जायेगा।

भाषा–बोधन

क. नीचे लिखे शब्दों में से स्त्रीलिंग व पुल्लिंग शब्दों को छाँटकर लिखिए–

स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग
दुनिया	कलाकार		सम्मान
बूँद	पदार्थ		प्रेम
कहानी	आवाज		परवाह
	नृत्य		

ख. प्रायः दो शब्दों का उच्चारण लगभग समान होते हुए भी अर्थ नितान्त भिन्न होता है ऐसे शब्दों को श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द कहते हैं। इस प्रकार के शब्दों के अर्थ बताइए –

शब्द	**अर्थ**	**शब्द**	**अर्थ**
अपेक्षा	चाह	उपेक्षा	तिरस्कार, निरादार
कटि	कमर	कीट	कीड़ा
कुल	परिवार, वंश	कूल	तट, किनारा
कंगाल	अत्यंत दरिद्र	कंकाल	हड्‌डियों का ढांचा
कोर	सार	कौर	ग्रास, निवाला

ग्रह	आकाशीय पिंड	गृह	घर
अतीत	बीता हुआ	अतीव	अत्यंत

आपकी कलम से

क. व ख स्वयं कीजिए।

पाठ-4 : बूढ़ी काकी

1. **सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए-**

क. बचपन का　　ख. भतीजे के पास　　ग. उनकी पोती

घ. लड़के के तिलक की　　ङ. जेवनार गीत　　च. सन्न रह गई

2. **कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए-**

क. अत्याचार　　ख. विद्वेष　　ग. खाने के लिए

घ. तीन　　ङ. जेवनार　　च. संतोष-सेतु

छ. स्वार्थपरता　　ज. मिठाइयाँ

3. **सत्य/असत्य लिखिए-**

क. सत्य　　ख. सत्य　　ग. असत्य

घ. सत्य　　ङ. असत्य　　च. सत्य

4. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-**

क. बूढ़ी काकी में जिह्वा-स्वाद के सिवा और कोई चेष्टा शेष न थी और न अपने कष्टों की ओर आकर्षित करने का, रोने के अतिरिक्त कोई दूसरा सहारा ही। समस्त इन्द्रियाँ, हाथ और पैर जवाब दे चुके थे। बूढ़ी काकी पृथ्वी पर पड़ी रहतीं और घरवाले कोई बात उनकी इच्छा के प्रतिकूल करते, भोजन का समय टल जाता या उसका परिमाण पूर्ण न होता अथवा बाजार से कोई वस्तु आती और न मिलती तो वे रोने लगती थीं। उनका रोना-सिसकना साधारण रोना न था, वे गला फाड़-फाड़ कर रोती थीं।

ख. आज बुद्धिराम के बड़े लड़के मुखराम का तिलक आता है। यह उसी का उत्सव है। घर के भीतर स्त्रियाँ गा रही थीं और रूपा मेहमानों के लिए भोजन के प्रबन्ध में व्यस्त थी। भठट्ियों पर कड़ाह रखे थे। एक में पूड़ियाँ-कचौड़ियाँ निकल रही थीं, दूसरे में अन्य पकवान बन रहे थे। एक बड़े हण्डे में मसालेदार तरकारी पक रही थी। घी और मसाले की

क्षुधावद्र्धक सुगंध चारों और फैली हुई थी।

ग. बूढ़ी काकी की कल्पना में पूड़ियों की तस्वीर नाचने लगी। खूब लाल–लाल, फूली–फूली नरम–नरम होंगी। रूपा ने भली–भाँति भोजन किया होगा। कचौड़ियों में अजवाइन और इलायची की महक आ रही होगी एक पूड़ी मिलती तो जरा हाथ में लेकर देखती। क्यों न चलकर कड़ाह के सामने ही बैठूँ। पूड़ियाँ छन–छन कर तैयार होंगी। कड़ाह में से गर्म–गर्म निकालकर थाल में रखी जाती होंगी। फूल हम घर में भी सूँध सकते हैं। परन्तु वाटिका में कुछ और बात होती है। इस प्रकार निर्णय करके बूढ़ी काकी उकड़ूँ बैठकर हाथों के बल सरकती हुई बड़ी कठिनाई में चौखट से उतरीं और धीरे–धीरे रेंगती हुई कड़ाह के पास आ बैठीं। यहाँ आने पर उन्हें उतना ही धैर्य हुआ जितना भूखे कुत्ते को खाने वाले के सम्मुख बैठने में होता है।

घ. बूढ़ी काकी को उनके भतीजे बुद्धिराम ने घसीटकर कोठरी में ला पटका और क्योंकि बूढ़ी काकी उनके मेहमानों के सामने आ गई थी।

ङ. दीन, क्षुधातुर, हतज्ञान बुढ़िया पत्तलों से पूड़ियों के टुकड़े चुन–चुन कर भक्षण करने लगी। ओह ! दही कितना स्वादिष्ट था, कचौड़ियाँ कितनी सलोनी, खस्ता कितने सुकोमल। काकी बुद्धिहीन होते हुए भी इतना जानती थीं कि मैं वह काम कर रही हूँ, जो मुझे कदापि न करना चाहिए। मैं दूसरों की जूठी पत्तल चाट रही हूँ। परन्तु बुढ़ापा तृष्णा–रोग का अंतिम समय है, जब सम्पूर्ण इच्छाएँ एक ही केन्द्र पर आ लगती हैं। बूढ़ी काकी में यह केन्द्र उनकी स्वादेन्द्रिय थी।

च. बूढ़ी काकी पत्तलों पर से पूड़ियों के टुकड़े उठा–उठा कर खा रही हैं। रूपा का हृदय सन्न हो गया। किसी गाय की गर्दन पर छुरी चलते देखकर जो अवस्था उसकी होती, वही उस समय हुई। रूपा को अपनी स्वार्थपरता और अन्याय इस प्रकार प्रत्यक्ष रूप में कभी न दीख पड़े थे। वह सोचने लगी–हाय! कितनी निर्दयी हूँ। जिसकी सम्पत्ति से मुझे दो सौ रुपया वार्षिक आय हो रही है, उसकी यह दुर्गति ! और मेरे कारण! हे भगवान्! दया कर। मुझसे बड़ी भारी चूक हुई है, मुझे क्षमा करो।

छ. निम्नलिखित पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए–

अ. जब संपूर्ण इच्छाएँ एक ही केंद्र पर आ लगती है।

ब. संतोष ही वह बाँध है जो इच्छारूपी नदी की तेज लहरों को बाँध के रखता है, जब यह बाँध टूट जाता है तो वह इच्छारूपी नदी निकलती है और उसका बहाव अनियंत्रित हो जाता है।

भाषा-बोधन

क. पाठ में प्रयुक्त निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखिए व अपने वाक्यों में प्रयुक्त कीजिए-

मुहावरे **अर्थ एवं वाक्य प्रयोग**

अपना राग अलापना - केवल अपनी कहना - विपिन किसी की बात तो सुनता नहीं, बस अपना ही राग अलापता रहता है।

मुँह में पानी आना - लालच होना - मिठाई का नाम सुनते ही रूबी के मुँह में पानी आ गया।

मंसूबे बाँधना - ख्वाब देखना - किसान अपनी फसल को देखकर मंसूबे बाँधने लगा।

मुँह जूठा करना -स्वयं कीजिए।

कलेजा न पसीजना - मन में दया ना आना - गाड़ी वाला कुत्ते को टक्कर मारकर भाग गया उसका दिल जरा भी न पसीजा।

तकदीर सोना - भाग्य सोना - विधि पेपरों में फेल हो गई। परेशान होकर उसने कहा कि पता नहीं मेरी तकदीर कहाँ सो गई।

बे सिर पैर की - वेफिजूल की - रमन बे सिर पैर की बातें करता है।

ख. नीचे दिए गए शब्दों में हिन्दी व उर्दू के समानार्थी शब्द हैं। उन्हें छाँटकर अलग अलग कीजिए-

हिन्दी शब्द	**उर्दू शब्द**	**हिन्दी शब्द**	**उर्दू शब्द**
भाग्य	तकदीर	सम्पत्ति	जायदाद
विचार	ख्याल	सुगंध	महक
व्यय	खर्च	नृत्य	नाच
निर्णय	फैसला	रोचक	मजेदार

आपकी कलम से

क. व ख स्वयं कीजिए।

पाठ–5 : शक्ति और क्षमा

1. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–

क. दुर्योधन　　ख. पांडवों को　　ग. तीन दिन

घ. समुद्र को　　ङ. विजयी से

2. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–

क. क्षमाशील हो रिपु समक्ष,
तुम हुए विनत जितना ही।
दुष्ट कौरवों ने तुमको,
कायर समझा उतना ही।

ख. उत्तर में जब एक नाद भी,
उठा नहीं सागर से,
उठी अधीर धधक पौरुष की,
आग राम के शर से।

3. सत्य/असत्य लिखिए–

क. सत्य　　ख. असत्य　　ग. सत्य

घ. सत्य　　ङ. असत्य

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

क. कौरव पांडवों को कायर समझ रहे थे इसलिए वे अपनी बात नहीं मनवा पा रहे थे।

ख. राम समुद्र से तीन तक प्रार्थना करते रहे कि रास्ता दे दो लेकिन समुद्र ने रास्ता नहीं किया तब मूर्ख समुद्र को बंधन में बंधना पड़ा।

ग. वास्तविक वीरता सहनशीलता, दया और क्षमा को कहते हैं।

घ. कवि के अनुसार संसार में विनय और साहस का महत्व है।

ङ. शक्ति और क्षमा कविता में यह संदेश निहित है कि केवल विनय को एक दुर्बलता समझ लिया जाता है, जबकि शक्ति के साथ होने पर यह गुण माना जाता है।

भाषा–बोधन

क. कविता में से अनुप्रास अलंकार के ऐसे दो और उदाहरण छाँटकर लिखिए–

1. तीन दिवस तक पंथ मांगते,

2. विष रहित, विनित, सरल हो।

ख. निम्नलिखित शब्दों के विलोम बताइएः-

शब्द	विलोम	शब्द	विलोम
क्षमा	दंड, सजा	रिपु	मित्र, सज्जन
दुष्ट	सज्जन		
कायर	वीर,	गरल	सुधा
सरल	कठिन,	अधीर	धीर
दासता	स्वाधीनता	मूढ़	ज्ञानी
बल	निर्बल	विजय	पराजय

आपकी कलम से

क, ख व ग स्वयं कीजिए।

पाठ-6 : अध्ययन

1. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए-

क. आनन्द   ख. महापुरुष के बारे में

ग. लिखी हुई बातों को विचारपूर्वक हृदय से ग्रहण करना

घ. निकृष्ट पुस्तकों का   ङ. उपयोगी और सुरूचिपूर्ण पुस्तकें पढ़ना

2. सत्य/असत्य लिखिए-

क. सत्य   ख. सत्य   ग. सत्य

घ. असत्य   ङ. सत्य   च. असत्य

3. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए-

क. मार्ग   ख. भूतकाल   ग. विद्याभ्यासी

घ. पढ़े, चिंतन   ङ. प्रतिकूल

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

क. मनुष्य जाति के सुख और कल्याण के विषय में संसार के प्रतिभा संपन्न लोगों ने जो सिद्धांत स्थिर किए हैं, उन्हें जानने का साधन स्वाध्याय ही है। जो पढ़ता नहीं, उसे उसकी खबर ही नहीं रहती कि मनुष्य की ज्ञान परंपरा किस सीमा तक पहुँच चुकी है। वह अंधकार में गिरता-पड़ता है, टेढ़ी-मेढ़ी पगडंडियों में भटकता फिरता है। वह यह जानता ही नहीं कि मनुष्यों के श्रम से एक प्रशस्त मार्ग तैयार हो चुका है।

ख. अध्ययन से हम अपने दैनिक जीवन में शिक्षा और प्रेरणा ग्रहण करते हैं। अध्ययन से ही भूतकाल की घटनाएँ हमारे अंतःकरण में प्रत्यक्ष होती हैं और उसमें बड़े-बड़े राज्यों की उत्पत्ति एवं उनके उत्थान और पतन का पता चलता है।

ग. पुस्तकों के द्वारा हम किसी महापुरूष को जितना अधिक जान सकते हैं, उतना उसके मित्र, पुत्र और कलत्र भी नहीं जान पाते। जो ग्रंथकार अपने समय में आस-पास के लोगों से बोलने-चालने में संकोच करते होंगे, वे अध्ययनशील पुरुष के निकट एकांत में अपनी पुस्तकों द्वारा हृदय को बेधड़क खोलकर रख देते हैं। उनकी सारी प्रकृति हमारे सामने आ जाती है।

घ. सामान्यतः अच्छी पुस्तके काल और स्थान की सीमा को पार कर आगे बढ़ती रहती हैं। अध्ययनशील व्यक्ति का कर्तव्य, जो कुछ पुस्तक हाथ लगे, उसका पढ़ना मात्र ही नहीं है, बल्कि अच्छी, उपयोगी और सुरूचिपूर्ण पुस्तकें चयन करना सीखना भी है। तभी अध्ययन आत्मसंस्कार और चरित्र-गठन में सहायक हो सकता है।

ङ. इसके लिए सबसे मुख्य बात यह है कि पढ़ना नियमपूर्वक हो, अर्थात् इसके लिए नित्य का समय निश्चित होने की आवश्यकता है। एकाग्रचित अध्ययन के लिए प्रातः काल का समय उपयुक्त होता है। सूरदास के विषय में प्रसिद्ध है कि वे नित्य सवेरे स्नानादि के उपरांत कुछ पद बनाकर ही जलपान करते थे। प्रातः काल का समय न मिलने पर सुभीते के लिए कोई भी समय रखा जा सकता है, चाहे सवेरे का समय हो, चाहे रात का; चाहे एक घंटे का समय हो, चाहे दो-तीन का। नियम का दृढ़ता से पालन होना चाहिए।

च. अध्ययन में बार-बार दुहराने की क्रिया भी करनी पड़ती है, जिससे पढ़ी हुई बात मन में बैठ जाए। जब मैं किसी पुस्तक का प्रकरण पढ़ चुकता हूँ तो पुस्तक बंद करके उसमें आई हुई मुख्य बातों को ध्यान में लाता हूँ। इसी क्रम से मैं एक-एक प्रकरण पढ़ता जाता हूँ। जब पुस्तक समाप्त हो जाती है तो मैं सारी पुस्तक का अनुक्रम एक-एक प्रकरण करके मन में धारण करता हूँ और पुस्तक की सारी बातों को दोहराता जाता हूँ।

भाषा-बोधन

क. दिए गए शब्दों में से मूलशब्द, उपसर्ग व प्रत्यय अलग कीजिए-

उपसर्ग	मूलशब्द	प्रत्यय
वि	नम्रता	
	अपमान	इत
अ	लौकिक	ता
	बैचैन	ई
	प्रत्याश	इत
सु	नयना	
	विजय	ई

ख. जिस समास में पहला पद उपसर्ग हो उसे अव्ययी भाव समास कहते हैं। पाठ में आए ऐसे पाँच शब्द चुनकर लिखिए, जिनमें अव्ययी भाव समास हो-

नियमपूर्वक, बेधड़क, निकम्मा,
प्रतिकूल, प्रत्यक्ष

आपकी कलम से

क. व ख स्वयं कीजिए।

पाठ-7 : एक अविस्मरणीय यात्रा

1. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए-

क. यात्रा का ख. राम मनोहर लोहिया अस्पताल में
ग. 38 घ. बागेश्वर ङ. एक महीने में
च. बार-बार करना चाहेगा

2. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए-

क. अन्तहीन ख. अपेक्षित ग. चन्द्रलोक
घ. तवाघाट ङ. लिपुलेख च. तकलाकोट
छ. वसुधैव कुटुम्बकम्

3. सत्य/असत्य लिखिए-

क. सत्य ख. असत्य ग. असत्य

घ. सत्य ङ. सत्य च. असत्य

छ. असत्य

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

क. मन में उमंग बढ़ गई, दृश्य जगत के प्रति संवेदना भी तीव्र हो उठीऔर पैरों में इतना दम–खम आ गया कि दौड़ लगाने का मन करे।

ख.

ग. लेखक ने मानसरोवर में स्नान किया। जल इतना शीतल जैसे बर्फ। डुबकी लगाते ही ऊपर निकले कि शरीर में अद्भुत ताजगी महसूस हुई। स्नान का आनन्द क्या होता है, वह यहीं अनुभव हुआ। मन–ही–मन गरम पानी से न नहाने की प्रतिज्ञा की जो शिव कृपा से अभी तक तो निभ रही है।

घ. लेखक ने सोचा कि टट्टू में भी तो जान है और तीर्थ–यात्रा में अपनी काया भले ही कष्ट उठाये, अन्य जीव को कष्ट देने से यात्रा का पुण्य क्षीण ही होता है। इसलिए याक व टट्टू की सवारी उपलब्ध होने पर भी लेखक ने उसका आश्रय लेना उचित नहीं समझा।

ङ. यात्रा के फलस्वरूप वजन कम हो गया जो इस आयु में एक शुभ चिह्न है। गरम पानी से स्नान करने की आदत से मुक्ति मिल गई है और चाय से भी पिंड छूट गया है। इतनी उपलब्धि कम तो नहीं। इस सुफल यात्रा से लेखक को अमित संतोष मिला।

च. मानसरोवर की यात्रा पर जाने वालों से प्रार्थनापत्र माँगने के लिए लेखक व उसके साथियों को विदेश–मंत्रालय ने एक विज्ञापन दिया। मैंने प्रार्थनापत्र भेज दिया। कुछ दिन बाद हमें दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल में शारीरिक उपयुक्तता की जाँच के लिए बुलाया गया। शारीरिक रूप से सर्वथा उपयुक्त पाने पर लेखक को यात्रा पर जाने की स्वीकृति मिल गई। एक बहुत बड़ी बाधा पार हुई। इसके बाद केवल दो तीन दिन हमने दौड़–धूप करके विदेशी मुद्रा, वीसा, प्रवेशपत्र आदि का प्रबंध कर लिया। ऐसा कार्य इतनी जल्दी नहीं होता। महीनों नहीं तो एक–आध सप्ताह लग जाना मामूली बात है। इसलिए लेखक ने ऐसा कहा 'जहाँ चाह वहाँ राह।'

भाषा–बोधन

क. इसी प्रकार इनके भी कोई अन्य तीन नाम लिखिए–

दुर्गा – भवानी, अम्बा, जगदंबा

विष्णु – दामोदर, जनार्दन, लक्ष्मीपति

सूर्य – भानू, रवि, सूरज

चन्द्र – चन्द्रमा, शशि, मयंक

नदी – तरनी, सरिता, तटिनी

ख. स्वंय कीजिए।

आपकी कलम से

क, ख और ग स्वयं कीजिए।

पाठ–9 : स्वस्थ जीवन के रक्षक –टीके

1. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–

क. वैक्सीन केरियर ख. जन्म से पाँच वर्ष तक

ग. तपेदिक से घ. नौ से बारह माह तक

ड. अपनी कक्षा में

2. सत्य/असत्य लिखिए–

क. सत्य ख. सत्य ग. असत्य

घ. असत्य ङ. सत्य च. असत्य

3. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–

क. स्वास्थ्य ख. भविष्य ग. एक

घ. बाईं ङ. पोलियो च. अभाव

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

क. जीवन रक्षक टीकों का अर्थ है, बच्चों को भविष्य में होने वाले रोगों से बचाना। ये टीके जन्म से पाँच वर्ष तक की आयु के बच्चों एवं उनकी माता को जानलेवा बीमारियों से बचाव प्रदान करने हेतु लगाए जाते हैं।

ख. टीके डिस्पोजेबल सिरिंज से लगाए जाते हैं अर्थात् सिरिंज को एक बार प्रयोग के बाद फेंक दिया जाता है।

ग. बी. सी. जी. का यह टीका शिशु की बाईं बाँह के ऊपरी हिस्से की त्वचा में लगाया जाता है। यदि शिशु के जन्मस्थान पर टीकाकरण की व्यवस्था नहीं है तो फिर डेढ़ माह की उम्र में टीका लगाया जाता है। इस टीके से तपेदिक (ट्यूबरकुलोसिस) की बीमारी से बच्चे का बचाव होता है। दूसरे शब्दों में

टी०बी० की बीमारी से लड़ने की क्षमता बी०सी०जी० का टीका लगे हुए बच्चे में आ जाती है। कभी–कभी यह टीका पक भी जाता है, परंतु बाहरी संक्रमण से बचाव व सफाई द्वारा यह स्वत: ठीक हो जाता है।

घ. खसरा एक संक्रमण रोग है। इस बीमारी से बच्चे के शरीर पर छोटे–छोटे दाने उभर आते हैं। बुसार, सरदी, खाँसी, नाक का बहना इत्यादि इसके लक्षण होते हैं।

ङ. जीवन रक्षक टीकों का अर्थ है, बच्चों को भविष्य में होने वाले रोगों से बचाना। ये टीके जन्म से पाँच वर्ष तक की आयु के बच्चों एवं उनकी माता को जानलेवा बीमारियों से बचाव प्रदान करने हेतु लगाए जाते हैं। ये टीके डिस्पोजेबल सिरिंज से लगाए जाते हैं अर्थात सिरिंज को एक बार प्रयोग के बाद फेंक दिया जाता है। गर्भवती स्त्री को टिटनस का टीका एक माह के अंतराल पर दो बार लगाया जाता है। इस टीके से माँ तथा गर्भस्थ शिशु दोनों ही टिटनस जैसी जानलेवा बीमारी से बच सकते हैं। टिटनस एक अत्यंत खतरनाक बीमारी है।

डेढ़ माह की उम्र में बच्चे को ट्रिपल वैक्सीन या डी०पी०टी० का टीका लगाया जाता है। यह तीन खुराकों का टीका होता है, प्रत्येक चार सप्ताह के अंतराल पर यह लगाया जाता है। आयु के अनुसार इसका क्रम इस प्रकार है –

1.	डेढ़ माह में	–	डी०पी०टी० का पहला टीका
2.	ढाई माह में	–	डी०पी०टी० का दूसरा टीका
3.	साढ़े तीन माह में	–	डी०पी०टी० का तीसरा टीका

पोलियो की दवा पिलाने से बच्चे का भविष्य में लकवे की बीमारी से बचाव होता है।

डी०पी०टी० अर्थात् डिप्थीरिया, परट्यूसिस एवं टिटनस का टीका तीन गुणों वाला एक ही टीका होता है और उसके निश्चित समय व अंतराल पर तीनों टीके लगने पर तीनों बीमारियों से प्रतिरक्षा हो जाती है। इस कारण ही इसको त्रिगुणी अर्थात् तीन गुणों वाला टीका भी कहते हैं।

च. वैक्सीन कैरियर में जमा हुआ बर्फ प्लास्टिक के डिब्बे में होता है। इन्हें 'आइसपैक' कहते हैं। ये आइसपैक इन डिब्बों में अंदर की ओर लगे रहते हैं। इससे डिब्बे के अंदर शीतलता बनी रहती है। अंदर का तापमान 2 डिग्री से 8

डिग्री सेल्सियस के बीच बना रहता है। इससे जीवनरक्षक टीके खराब नहीं होते।

भाषा-बोधन

क. निम्नलिखित शब्दों का प्रयोग अपने वाक्यों में कीजिए -

कोतूहलवश - मम्मी बाजार से थैले में खाने का सामान लेकर आई तो बच्चे कोतूहलवश थैले की तरफ देखने लगे।

स्वास्थ्य - रवि के पिताजी स्वास्थ्य विभाग में काम करते हैं।

जन्मजात - विनय जन्मजात अंधा है।

संक्रमण - बरसात के दिनों में संक्रमण अधिक होता है।

अवरोध - मनीष मेरे हर काम में अवरोध पैदा कर देता है।

ज्ञानवर्धक - यात्रा अपने आप में शिक्षाप्रद एवं ज्ञानवर्धक अनुभव है।

भोजनावकाश - बैंक में दोपहर 2 बजे से 3 बजे तक का समय भोजनावकाश होता है।

पोषण - बच्चों को पोषणयुक्त भोजन देना चाहिए।

ख. निम्नलिखित वाक्यों में सर्वनाम शब्द पहचानकर रेखांकित कीजिए व भेद भी बताइए -

1. उसके - अन्यपुरुषवाचक सर्वनाम
2. उसने - अन्यपुरुषवाचक सर्वनाम
3. वह - पुरुषवाचक सर्वनाम
4. उन्होंने - पुरुषवाचक सर्वनाम

आपकी कलम से

क. व ख स्वयं कीजिए।

पाठ-10 : आसमान से उतरी सहेली (कहानी)

1. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए-

क. बालकनी से   ख. भीगना मत   ग. वह अपंग थी

घ. फड़फड़ाती चीज उसकी गोद में गिर गई थी

ङ. एक किताब   च. उसकी सहेली सही जगह पहुँच गई थी

2. सत्य/असत्य लिखिए-

क. सत्य	ख. सत्य	ग. असत्य
घ. असत्य	ङ. सत्य	च. असत्य
छ. सत्य	ज. सत्य	

3. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए-

क. विशेष	ख. कॉलोनी	ग. नीले
घ. सूखी घास	ङ. हजारों	च. बाल्कनी

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

क. पहली मंजिल के अपने फ्लैट की बाल्कनी से मिनी नीचे पार्क में खेलते बच्चों को देखती रहती। बच्चों को खेलता देख उसका मन भी खेलने को करता, परन्तु वह ठीक से चल-फिर नहीं सकती थी। जन्म से ही उसके हाथ और पाँव खराब थे, इसलिए वह बच्चों के साथ खेल-कूद नहीं सकती थी। पहिए वाली कुर्सी पर बैठी बस देखती रहती। वह देखती कि बच्चे तेज हवा और सिर पर गिरते नीम के पीले पत्तों की परवाह किए बिना मस्त हो खेलते रहते हैं। इसलिए मिनी उदास रहती थी।

ख. विशेष स्कूल में पढ़ाई-लिखाई के साथ उसे तरह-तरह के व्यायाम और बोलना भी सिखाया जाता था।

ग. अचानक एक भूरे रंग की गेंद-सी कोई चीज नीचे गिरी। लड़कियाँ चीखने लगीं। लड़के जोर से चिल्लाते हुए उस गेंद-सी चीज के चारों तरफ घेरा बनाकर खड़े हो गए और उसे गौर से देखने लगे। तभी वह गेंद-सी चीज जोर से उछली और फड़फड़ाती हुई मिनी की गोद में आ गिरी मिनी बुरी तरह घबरा गई।

घ. माँ ने बताया ''मिनी, यह बत्तख है - शैवलर प्रजाति की बत्तख। यह उन प्रवासी पक्षियों में से एक है जो हजारों किलोमीटर दूर उत्तर की ओर बर्फानी प्रदेशों में रहते हैं। जब वहाँ सर्दी और ज्यादा बढ़ जाती है तो वे दक्षिण की ओर गर्म प्रदेशों में उड़ आते हैं। जाड़े के मौसम में यहीं रहते हैं और गर्मियाँ शुरू होते ही वापस लौट पड़ते हैं।''

ङ. मिनी की नयी सहेली देखकर बच्चों को बहुत आश्चर्य हुआ। वे उसे छू-छूकर देखने और खेलने लगे।

च. मिनी और माँ ने बहुत कोशिश की कि बत्तख कुछ खा ले। डबलरोटी के टुकड़े, फलों के टुकड़े, व अनाज के दाने सब उन्होंने बारी-बारी उसके आगे डाले। पर उसने कुछ नहीं खाया।

''माँ, इसको दूध में चावल मिलाकर दो, शायद खा ले।''

मिनी की माँ ने उबले चावल दूध में मिलाकर कटोरी में रखे, पर बत्तख ने मुँह भी नहीं लगाया। तब मिनी से उसे पुचकारा और माँ ने उसे पकड़कर प्यार से मिनी की गोद में बैठा दिया, फिर उसकी चोंच खोलकर ड्रॉपर से दूध उसके मुँह में डाल दिया। पेट में दूध जाते ही बत्तख में जान-सी आ गई। उसकी आँखे चमकने लगीं। उसने अपने पंख फैलाए और आराम को किसी की गोद में लेट गई।

छ. वह सहेली के बिना उदास तो थी, लेकिन खुश भी थी कि उसकी सहेली अपनी सही जगह पहुँच गई और वह अपनी संगी-साथियों के पास भी पहुँच ही जायेगी।

भाषा-बोधन

क. निम्नलिखित संवादों के सम्मुख उनके कहने वाले का नाम लिखिए -

1. प्रिया 2. अंजू 3. पिताजी

4. अंजू 5. मिनी

ख. नीचे दिए गए समस्त पदों का विग्रह कीजिए -

संगी-साथी	संग का साथी
पाठशाला	पाठ के लिए शाला
राजकुमार	राज का कुमार अर्थात् 'बेटा'
प्रवासी	प्रवास में रहने वाला
साफ-सुथरे	साफ और सुथरा

आपकी कलम से

क. व ख स्वयं कीजिए।

पाठ-11 : फिर क्या होगा उसके बाद ?

1. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए-

क. फिर क्या होगा उसके बाद ख. कोमल पत्तों का समूह

ग. नक्षत्र

घ. अपने खिलौनों की

ङ. जब माँ ने मरने की बात कही

च. सुख-दुख पल भर की माया है

2. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए-

क. माँ ख. उत्सुक ग. रवि

घ. खुश ङ. मेरे च. ऊब

छ. अनंत

3. सत्य/असत्य लिखिए -

क. सत्य ख. सत्य ग. सत्य

घ. सत्य ङ. असत्य च. सत्य

छ. सत्य ज. सत्य

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

क. बालक ने माँ से पहला प्रश्न यह किया कि माँ क्या होगा उसके बाद?

ख. विवाह की बात को सुनकर शिशु के मुख पर मुसकान आ गई।

ग. शिशु को खिलौनों के खोने का भय था।

घ. माँ के मुख से मर जाने की बात सुनकर शिशु की आँखे भर आयी। अर्थात् वह रोने लगा किन्तु अगले ही क्षण उन्हें पोंछकर माँ से पूछने लगा कि माँ क्या होगा उसके बाद?

ङ. कवि ने शिशु के माध्यम से सीखा कि सुख-दुख पलभर की माया है।

भाषा-बोधन

क. इसी प्रकार निम्न शब्दों की तीन अवस्थाएँ लिखिए -

कोमल	कोमलतर	कोमलतम
सुंदर	सुदरतर	सुंदरतम
प्रिय	प्रियतर	प्रियतम
मधुर	मधुरतर	मधुरतम

ख. स्वयं कीजिए।

आपकी कलम से

क. व ख स्वयं कीजिए।

पाठ–12 : भारत की साहसी महिलाएँ

1. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–

क. वानर सेना   ख. इन्दिरा गांधी   ग. काव्य और राजनीति

घ. सरोजिनी नायडू   ङ. हिन्दी व पंजाबी की   च. 1931 में

2. सत्य/असत्य लिखिए –

क. सत्य   ख. असत्य   ग. सत्य

घ. असत्य   ङ. सत्य   च. असत्य

3. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–

क. लक्ष्मी   ख. 1917   ग. तत्परता

घ. बेबाक   ङ. मनोनीत   च. कोकिला

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

क. इंदिरा जी द्वारा बचपन में ही वानर सेना को संगठित किया जाना उनका देश की स्वतंत्रता हेतु लड़ने के दृढ़ निश्चय को दर्शाता है। उनकी इसी भावना ने उन्हें स्वतंत्र भारत की प्रधानमंत्री पद तक पहुँचाया।

ख. इंदिरा गाँधी ने अपने प्रधानमंत्री कार्यकाल के दौरान भारत के विकास के लिए अभूतपूर्व कार्य किए, बैंकों को राष्ट्रीकरण, शोषितों व पीड़ितों का उत्थान, बंग्लादेश को स्वतंत्रता दिलाना, बीस सूत्री कार्यक्रम चलाना आदि।

ग. इन्दिरा जी की तुलना रानी लक्ष्मीबाई से की जाती है।

घ. सरोजिनी नायडू ने काव्य और राजनीति के क्षेत्रों में अपना नाम उज्जवल किया।

ड. अमृता प्रीतम की प्रमुख रचनाओं में 'कड़ी धूप का सफर', 'दस्तावेज', 'तेरहवाँ सूरज', 'दिल्ली की गलियाँ', 'कागज के केनवास आदि हैं।

च. अमृता प्रीतम ने कटु आलोचना के भय से कभी भी अपने लेखन को प्रभावित नहीं होने दिया। उनका मानना था कि प्रत्येक मनुष्य को अपनी विचारधारा के अनुरूप जीने का अधिकार मिलना चाहिए।

भाषा–बोधन

क. उचित विराम चिन्ह लगाइए–

1. काश! आज इंदिरा जी जीवित होती।
2. क्या स्त्री को अभिव्यक्ति व स्वतंत्र चिंतन का कोई अधिकार नहीं?

3. जब अंग्रेजों ने अत्याचार किए, तब भारतीयों ने उनका विरोध किया।

4. हे भगवान ! आज कितनी ठंड है।

ख. रिक्त स्थान पर उचित कारक चिह्न भरिए –

घर **की** लक्ष्मी	इंग्लैंड **में** आयोजित	बैंकों **का** राष्ट्रीयकरण
साहित्य **का** प्रचार	सूझ-बूझ **को** देखकर	भारत **की** कोयल
महिलाओं **का** आदर्श	कार्यकाल के दौरान	

आपकी कलम से

क. व ख स्वयं कीजिए।

पाठ-13 : भेड़ों की गिनती (कहानी)

1. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए-

क. नींद न आने की	ख. डेनमार्क में	
ग. अधिक खाना खाता था	घ. भेड़ों की रखवाली	
ङ. घूमना फिरना और शान्ति	च. लापरवाही	छ. जागने की

2. सत्य/असत्य लिखिए –

क. सत्य	ख. असत्य	ग. सत्य
घ. सत्य	ङ. सत्य	च. सत्य

3. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए-

क. दीवार	ख. थक	ग. गर्म
घ. कौवे	ङ. पंजा	च. उबाऊ
छ. दिमाग		

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

क. माइको को नींद नही आती थी जिसके कारण वह डॉक्टर के पास गया था।

ख. माइको ने क्या नहीं किया। उसने बिस्तर पर जाने से पहले काफी दूर तक टहलने जाता था। कभी-कभी गर्म कॉफी या चाय भी पीता था। कभी शीतल पेय पीता था। उसने भरपेट खाना खाकर भी देखा, बिना खाए भी सोने की कोशिश की। उसने बंदर टोपी पहनकर, आँख-कान ढककर भी सोने की कोशिश की लेकिन सब बेकार रहा। नींद नहीं आई।''

ग. इसके लिए डॉक्टर सलाह देते है कि पौष्टिक भोजन करना चाहिए। मौसम

के अनुसार फलों का सेवन करना चाहिए। विटामिन युक्त पदार्थो का प्रयोग करना चाहिए। दिमाग को तनावमुक्त करना चाहिए। घर में सबके साथ मित्रतापूर्वक व्यवहार करना चाहिए।

घ. नींद लाने के लिए डॉक्टर ने माइको को निम्न तरीके बताए तुम ऐसा करो कि अपने सोने की जगह बदल लो और बिस्तर की दिशा भी, और भेड़ों की बजाय कौवों को गिनना शुरु कर दो।

आज से तुम गिनती गिनना बंद कर दो और सारी गिनती भूल जाओ। एक, दो, तीन, चार की बजाय अब तुम अपनी आँखें बंद करके किसी सुन्दर बाग-बगीचे को देखा करो और उसके रंग-बिरंगे फूल का ध्यान किया करो।''

डॉक्टर ने उसके कंधे पर हाथ रखा और प्यार से समझाया, ''अब तो तुम समझ गए होगे, तुम दिन भर भेड़ों पर गुर्राते रहते हो और पागलों की तरह बेमतलब घूमते-फिरते रहते हो इसीलिए रात को तुम सो नहीं पाते। अगर तुम भेड़ों के साथ दोस्तों जैसा व्यवहार करो तो वे भी खुश रहेंगी और तुम भी फिर अच्छी तरह सो सकोगे।''

ङ. स्वयं कीजिए।

भाषा-बोधन

क. पाठ में से ऐसे शब्द छाँटिए जो मूलतः अंग्रेजी भाषा के हैं -

माइको,	डॉक्टर,	स्टैथस्कोप,
थर्मामीटर,	इजैक्शन,	सिरिंज,
डेनमार्ग,	कॉफी,	पेन,
आइस बैग,	कार्ड आदि	

ख. पाठ में प्रयुक्त विशेषण व विशेष्य शब्द छाँटिए-

अनिद्रा रोग, कद-काठी, सुन्दर बाग, हरी घास

आपकी कलम से

क. ख ग. स्वयं कीजिए।

पाठ-14 : वीरों का कैसा हो वसन्त?

1. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए-

क. वधू से ख. गलबाँहें या कृपाण

ग. लंका के बारे में　　घ. वीर रस की　　ङ वीरों को

2. **सत्य/असत्य लिखिए-**

क. सत्य　　ख. सत्य　　ग. असत्य

घ. सत्य　　ङ. सत्य

3. **कविता की पंक्तियोंको पूरा कीजिए-**

क. फूली सरसों **ने दिया रंग**,
मधु लेकर आ पहुँचा अनंग,

ख. गलबाँहें हों **या हो कृपाण**,
चल चितवन **हो या धनुष-बाण**

ग. लंके ! **तुझमें क्यों लगी आग,**
ऐ कुरुक्षेत्र ! अब जाग, जाग

4. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-**

क. समस्त दिशाओं से प्रश्न पूछा जा रहा है कि वीरों का बसंत केसा हो ?

ख. स्वयं कीजिए।

ग. स्वयं कीजिए।

घ. भूषण अथवा कवि चन्द नहीं,
बिजली भर दे वह छन्द नहीं,
है कलम बँधी, स्वच्छन्द नहीं,
फिर हमें बताए कौन? हन्त!
वीरों का केसा हो बसन्त?

ङ. कविता के माध्यम से कवि ने वीर युवकों को देश के लिए अपना सर्वस्व बलिदान करने का संदेश दिया है।

भाषा-बोधन

क. **निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-**

उदधि	-समुद्र	- उदधि में अनेक प्रकार की मछलियाँ होती हैं।
पुलकित	-रोमांचित	- तुम्हारी सफलता पर मेरा मन पुलकित हो गया।
कृपाण	- तलवार	- उसकी आँखे कृपाण की तरह चमक उठी।
चितवन	- दृष्टि, कटाक्ष	- मोरनी की चंचल चितवन मोहक थी।
स्मृतियाँ	- यादें	- बचपन की स्मृतियाँ बहुत मधुर होती हैं।

ख. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थक शब्द लिखिए –

हिमालय – पर्वतराज, नगपति, हिमगिरी

भू – पृथ्वी, वसुधा, धरा

वधु –दुल्हन, पत्नी, नववधु

कोकिला – कोयल, पिक, श्यामा

कृपाण – खड्ग, तलवार, करवाल

बिजली –दामिनी, चपला, विद्युत

पाठ–15 : मित्रता

1. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–

क. मित्रों के चुनाव की
ख. जो सच्चे पथ प्रदर्शक के समान हो
ग. औषधि की तरह
घ. ढाल है
ङ. अच्छी मित्रता के बल पर
च.साधु और श्रेष्ठ बनता है
छ. जीवन में सफलता प्राप्त करने का

2. सत्य/असत्य लिखिए –

क. असत्य
ख. सत्य
ग. सत्य
घ. सत्य
ङ. सत्य
च. सत्य

3. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–

क. संगत का
ख. मूर्ति
ग. आत्मशिक्षा
घ. विभिन्नता
ङ. प्रफुल्लचित्त

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

क. अपने से अधिक दृढ़ संकल्प वाले को अपना मित्र बनाने से हानि होती है क्योंकि हमें उनकी हर एक बात बिना विरोध के मान लेनी पड़ती है।

ख. ''विश्वासपात्र मित्र से बड़ी भारी रक्षा रहती है। जिसे ऐसा मित्र मिल जाए उसे समझना चाहिए कि खजाना मिल गया।

ग. विश्वासपात्र मित्र जीवन की एक औषधि है। हमें अपने मित्रों से यह आशा रखनी चाहिए कि वे उत्तम संकल्पों में हमें दृढ़ करेंगे, दोषों और त्रुटियों से हमें बचाएँगे, हमारे सत्य, पवित्रता और मर्यादा के प्रेम को पुष्ट करेंगे. जब हम कुमार्ग पर पैर रखेंगे तब वे सचेत करेंगे, जब हम हतोत्साहित होंगे तब

हमें उत्साहित करेंगे. सारांश यह कि वे हमें उत्तमतापूर्वक जीवन–निर्वाह करने में हर तरह से सहायता देंगे। सच्ची मित्रता में उत्तम–से–उत्तम वैद्य की–सी निपुणता और परख होती है।

घ. दो भिन्न प्रकृति और स्वभाव के लोगों में मित्रता परस्पर अत्यधिक प्रगाढ़ प्रेम के कारण बनी रहती है। जो गुण जिसमें नहीं होता, वह चाहता है कि उसे ऐसा कोई मित्र मिले, जिसमें वे गुण हों। मित्रता के कई रूप होते हैं। जो विश्वासपात्र मित्र होता है, वह हमारे लिए रक्षा–कवच के समान होता। इसलिए ऐसे मित्र बड़े ही भाग्यशाली व्यक्ति को प्राप्त होते हैं।

बचपन की मित्रता, जवानी की मित्रता, बुढ़ापे की मित्रता–हर उम्र में मित्र की आवश्यकता वैसे ही जरूरी है जैसे वातावरण में हवा की। मित्र हमें हमेशा सही राह दिखाता है, सुख–दुःख में साथ निभाता है। कृष्ण और सुदामा, अर्जुन और कृष्ण, विभीषण और सुग्रीव की राम से मित्रता–ये मित्रता के अनोखे उदाहरण है। दो भिन्न प्रकृति के मनुष्यों में बराबर प्रीति और मित्रता रही है। राम धीर और शांत प्रकृति के थे, लक्ष्मण उग्र और उद्धत स्वभाव के थे, पर दोनों भाइयों में अत्यन्त प्रगाढ़ स्नेह था। उदार तथा उच्चाशय कर्ण और लोभी दुर्योधन के स्वभावों में कुछ विशेष समानता न थी, पर उन दोनों की मित्रता खूब निभी। यह कोई बात नहीं है कि एक ही स्वभाव और रुचि के लोगों में ही मित्रता हो सकती है। समाज में विभिन्नता देखकर लोग एक–दूसरे की ओर आकर्षित होते हैं। जो गुण हममें नहीं हैं, हम चाहते हैं कि कोई ऐसा मित्र मिले जिसमें वह गुण हों।

ङ. हमें ऐसे ही मित्रों की खोज में रहना चाहिए जिनमें हमसे अधिक आत्मबल हो। हमें उनका पल्ला उसी तरह पकड़ना चाहिए जिस तरह सुग्रीव ने राम पल्ला पकड़ा था। मित्र हों तो प्रतिष्ठित और शुद्ध हृदय के हों, मृदुल और पुरुषार्थी हों, शिष्ट और सत्यनिष्ठ हों, जिससे हम अपने को उनके भरोसे पर छोड़ सकें और यह विश्वास कर सकें कि उनसे किसी प्रकार का धोखा न होगा। मित्रता एक नई शक्ति की योजना है। बर्क ने कहा है कि आचरण के दृष्टांत ही मनुष्य जाति की पाठशाला हैं, जो कुछ वह उनसे सीख सकता है, वह और किसी से नहीं।

च. मित्रों के चुनाव की उपयुक्तता पर उसके जीवन की सफलता निर्भर हो जाती है, क्योंकि संगत का गुप्त प्रभाव हमारे आचरण पर बड़ा भारी पड़ता है। हम

लोग ऐसे समय में समाज में प्रवेश करके अपना कार्य आरम्भ करते हैं जबकि हमारा चित्त कोमल और हर तरह का संस्कार ग्रहण करने योग्य रहता है, हमारे भाव अपरिमार्जित और हमारी प्रवृत्ति अपरिपक्व रहती है, अपने मनोवेगों की शक्ति और अपनी प्रकृति की कोमलता का पता हमीं को नहीं रहता। हम लोग कच्ची मिट्‌टी की मूर्ति के समान रहते हैं जिसे जो जिस रूप का चाहे, उस रूप का करे—चाहे राक्षस बनावे चाहे देवता।

भाषा-बोधन

क. संज्ञा के तीन भेद हैं- व्यक्तिवाचक, जातिवाचक व भाववाचक। पाठ में प्रयुक्त भाववाचक संज्ञा शब्दों को छाँटकर लिखिए

निपुणता, कोमलता, उत्तमता,
खिन्नता, मधुरता, मूर्खता
वीरता

ख. ऐसे शब्द जो किसी शब्द के आरम्भ में हुड़कर अर्थ में परिवर्तन कर देते हैं। उपसर्ग कहलाते हैं। पाठ में प्रयुक्त ऐसे शब्दों को छाँटकर लिखिए तथा उनमें प्रयुक्त उपसर्ग को अलग कीजिए -

उपयुक्तता - उप + युक्तता निर्भर - निर् + भर

आपकी कलम से

क व ख स्वयं कीजिए।

पाठ-17 : गिल्लू (रेखाचित्र)

1. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए-

क. छोटे जीव का ख. काक रूप में ग. गिल्लू की
घ. काजू ङ. परिचारिका के समान च. दो वर्ष

2. सत्य/असत्य लिखिए-

क. सत्य ख. सत्य ग. असत्य
घ. सत्य ङ. असत्य च. सत्य

3. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए-

क. गरूड़ ख. लघुप्राण ग. पानी
घ. गिलहरियाँ ङ. चावल च. गिलहरी
छ. स्पर्श

4. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

क. सोनजुही की कली को देखकर लेखिका को अनायास ही उस छोटे जीव का स्मरण हो आया, जो इस लता की सघन हरीतिमा में छिपकर बैठता था। और फिर लेखिका निकट पहुँचते ही कंधे पर कूदकर उन्हें चौंका देता था।

ख. लेखिका उसे धीरे से उठाकर अपने कमरे में ले आई, फिर रूई से रक्त पोंछ कर घावों पर पेंसिलिन का मरहम लगाया।

ग. जब लेखिका लिखने बैठती तब अपनी ओर मेरा ध्यान आकर्षित करने की उसे इतनी तीव्र इच्छा होती थी कि उसने एक अच्छा उपाय खोज निकाला। वह मेरे पैर तक आकर सर्र से परदे पर चढ़ता और उसी तेजी से उतरता। उसका यह दौड़ने का क्रम तब तक चलता, जब तक वह उसे पकड़ने के लिए न उठती।

घ. हमारे दूरस्थ प्रियजनों को भी अपने आने का मधु संदेश इनके कर्कश स्वर में ही दे देना पड़ता है। इसलिए इसे समादरित पक्षी कहा है। दूसरी ओर हम कौआ और काँव–काँव करने को अवमानना के अर्थ में ही प्रयुक्त करते हैं। इसलिए इसे अनादरित पक्षी कहा है।

ङ. गिल्लू को जाली के पास बैठकर अपनेपन से बाहर झाँकते देखकर मुझे लगा कि इसे मुक्त करना आवश्यक है।

च. गिलहरियों के जीवन की अवधि दो वर्ष से अधिक नहीं होती, अतः गिल्लू की जीवन यात्रा का अंत आ ही गया। दिन भर उसने न कुछ खाया, और न बाहर गया। रात में अंत की यातना में भी वह अपने झूले से उतर कर मेरे बिस्तर पर आया और ठंडे पंजों से मेरी वही अँगुली पकड़कर हाथ से चिपक गया, जिसे उसने अपने बचपन की मरणासन्न स्थिति में पकड़ा था।

भाषा–बोधन

क. **निम्नलिखित शब्दों से प्रत्यय अलग कीजिए–**

स्मरणीय – स्मरण + ईय

स्वर्णिम – स्वर्ण + इम

अवमानित – अवमान + इत

पेंसिलिन – पेंसिल + इन

अस्वस्थता – अस्वस्थ + ता

अपनापन	–	अपना + पन
कठिनाई	–	कठिन + आई
फूलदान	–	फूल + दान

ख. पाठ में प्रयुक्त विशेषण शब्दों द्वारा रिक्त स्थान भरिए :–

सघन हरीतिमा	**लघु** प्राणी	**दूरस्थ** प्रियजन
छोटा जीव	**सुलभ** आहार	**हल्की** डलिया
तीव्र इच्छा	**लंबा** लिफाफा	

आपकी कलम से

क. व ख स्वयं कीजिए।

पाठ–18 : भिक्षावृत्ति

1. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–

क. वे आलसी और मुफ्तखोर हो जाते हैं

ख. सभी भिखारियों को आत्मनिर्भर बनाया जाए।

ग. काम नहीं तो खाना नहीं

घ. कमजोर लोग

ङ. सरकार की

2. सत्य/असत्य लिखिए–

क. सत्य	ख. सत्य	ग. असत्य
घ. सत्य	ङ. असत्य	

3. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–

क. भिक्षा	ख. अवनति	ग. ईश्वर
घ. रोटी	ङ. अंधे	च. संवेदन शून्य

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

क. इस पाठ में भिक्षावृत्ति को आधार बनाया गया है।

ख. हमारा देश जिस घोर दारिद्रय और भुखमरी का शिकार है, उसके कारण प्रतिवर्ष भिखारियों की संख्या में वृद्धि होती चली जा रही है। प्राणरक्षा के निमित्त दो रोटी के लिए कड़ा संघर्ष करते–करते ये लोग शालीनता और आत्मसम्मान की सभी भावनाओं के प्रति संवेदनशून्य हो जाते हैं, और हमारे

दानवीर इन्हें काम देने और काम करने पर जोर देने के बजाय इन्हें भिक्षा देते हैं।

ग. शारीरिक रूप से असमर्थ लोगो के भरण पोषण का दायित्व राज्य का है और क्योंकि भिक्षावृत्ति को प्रोत्साहन करना बुरा है, पर मैं किसी भिखारी को काम और खाना दिए बगैर जाने नहीं दूँगा। अगर वह काम करने से इंकार करेगा तो मैं उसे खाना नहीं दूँगा। लँगड़े-लूलों आदि शारीरिक दृष्टि से असमर्थ लोगों को खिलाने-पिलाने की जिम्मेदारी राज्य की है।

घ. भिक्षावृत्ति की प्रणाली राष्ट्र को गिरावट की ओर ले गई है और उसने आलस्य, अकर्मण्यता, ढोंग और यहाँ तक कि अपराधवृत्ति को भी बढ़ावा दिया है। अपात्रों पर दयालुता दिखाने की इस वृत्ति से राष्ट्र की संपत्ति में कोई वृद्धि नहीं होती – न भौतिक और न आध्यात्मिक – बल्कि इससे दानदाता में पुण्यशाली होने की झूठी भावना पैदा होती है।

ङ. यदि ये दानदाता ऐसी संस्थाएँ खोल सकें, जिसमें साफ-सुथेरे वातावरण में उन स्त्री-पुरुषों को खाना दिया जाए, जो उसकी एवज में वहाँ कोई काम-धंधा करें तो यह कितना अच्छा और बुद्धिमत्तापूर्ण कार्य होगा। नियम यह रहे कि 'काम नहीं तो खाना भी नहीं ...'

यदि हम अपने देश में आवारगर्दी की संख्या में गुणोत्तर वृद्धि करना नहीं चाहते, तो दीर्घकाल में ऐसी संस्थाएँ खोलना सस्ता पड़ेगा।

भूखों मरने वाले और निष्क्रिय लोगों के सामने ईश्वर सिर्फ एक रूप में प्रकट होने का साहस कर सकता है और वह है, काम और उसकी मजदूरी के रूप में रोटी का वायदा।

नंगे लोगो को कपड़े की नहीं काम की जरूरत है, उन्हें रोटी के चंद टुकड़े या उतारे हुए कपड़े नहीं देने चाहिए; बल्कि उनके साथ काम में भागीदार बन जाना चाहिए।

च. भिक्षावृत्ति के कारण मिथ्या अथवा अंधेपन की आड़ में भी बड़ी धोखाधड़ी चल रही है। बेईमानी से पैसा कमाकर बहुत-से अंधे धनवान बन गए हैं। वे इस प्रलोभन का शिकार हों, इससे अच्छा है कि उन्हें आश्रमों में भरती कर दिया जाए।

भाषा-बोधन

क. निम्नलिखित शब्दों का प्रयोग अपने वाक्यों में कीजिए-

द्रारिद्रय - आज के समाज में द्रारिद्रय सबसे बड़ा अभिशाप है।

आत्मसम्मान - आत्मसम्मान धन से ज्यादा महत्त्वपूर्ण होता है।

अकर्मण्यता - अकर्मण्यता मनुष्य को पंगु बनाती है।

बुद्धिमतापूर्ण - बीरबल अपने बुद्धिमतापूर्ण कार्यों के लिए प्रसिद्ध थे।

आवारागर्दी - आजकल सरकार ने आवारागर्दी पर रोक लगा रखी है।

प्रोत्साहित - मेरे घरवालो ने मुझे पढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया आज मैं बड़ा अफसर बन गया।

ख. निम्नलिखित वाक्यों में उद्देश्य विधेय छाँटकर लिखिए -

उद्देश्य	**विधेय**
1. बच्चे	मैदान में खेल रहे हैं।
2. श्याम	बाँसुरी बजाता है।
3. मेरी माता जी	बहुत दयालु हैं।
4. सीता और मीता	दोनों कल विद्यालय जाएँगी।

आपकी कलम से

क. व ख स्वयं कीजिए।

पाठ-19 : मेरा नया बचपन

1. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए-

क. बचपन की	ख. आनन्द	ग. बेटी के रूप में
घ. बच्ची बनकर	ङ. उसका बचपन	

2. सत्य/असत्य लिखिए-

क. सत्य	ख. सत्य	ग. सत्य
घ. असत्य	ङ. सत्य	च. असत्य

3. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए-

चिंता,	निर्भय,	कैसे,
अतुलित,	बचपन,	बिटिया,
नन्दन,	कुटिया	

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

क. कवयित्री बचपन में निश्चित और निडर होकर खेलती थी। जब भी वह रोने और मचलने लगती तब उनकी माँ उन्हें पुचकार कर शांत कर देती थी। इन्हीं मीठी और प्यारी यादों के कारण कवयित्री को अपना बचपन बार–बार याद आता है।

ख. बचपन बहुत ही भोला–भाला, प्यारा, सरल और सुलझा हुआ होता है। बचपन में किसी के प्रति राग–द्वेष, ईर्ष्या या स्वार्थ की भावना नहीं होती। मन की इसी पवित्रता के कारण बचपन को निष्पाप कहा गया है।

ग. अपने नए बचपन में कवयित्री अपनी बेटी के साथ खेलती, उसके साथ तुतलाकर बोलती और स्वयं भी बच्चा बन जाती।

घ. कविता को पढ़कर हमारा मन भी भावविभोर हो गया क्योंकि बाल्यावस्था के अतुलित आनंद के अनुभव से कोई भी अछूता नहीं रह पाता है।

भाषा–बोधन

क. कविता के आधार पर निम्नलिखित पंक्तियों में उपयुक्त विराम चिन्हों का प्रयोग कीजिए:–

माँ ओ ! कहकर बुला रही थी,
मिट्टी खाकर आई थी,
कुछ मुँह में, कुछ लिए हाथ में,
मुझे खिलाने आई थी।
मैंने पूछा–यह क्या लाई ?
बोल उठी वह–माँ काओ,
हुआ प्रफुल्लित हृदय खुशी से,
मैंने कहा–तुम ही खाओ।

ख. निम्नलिखित शब्दों से उपसर्ग व प्रत्यय अलग कीजिए:–

शब्द	**उपसर्ग**	**प्रत्यय**
बचपन	–	पन
खेलना	–	ना
निर्भय	नि	–
अतुलित	अ	–

प्राकृत	प्रा	–
विश्रांति	वि	–
संताप	सन्	–
प्रफुल्लित	–	इत
सरलता	–	ता
खुशी	–	ई

आपकी कलम से

क. व ख स्वयं कीजिए।

पाठ–20 : प्रतिशोध

1. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–

क. भावनामय ख. द्रोण ग. द्रोण ने

घ. द्रोणाचार्य को ङ. भीष्म पितामह का

2. सत्य/असत्य लिखिए–

क. असत्य ख. सत्य ग. सत्य

घ. असत्य ङ. सत्य च. सत्य

3. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–

क. आश्रम ख. आचार्य ग. गुरुदेव

घ. पितामह ङ. पूरे

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

क. समारोह में मंडल के मध्य में ऊँचे आसन पर गुरुदेव विराजमान थे। ईश्वर की प्रार्थना के साथ समारोह प्रारंभ किया गया। गुरुदेव ने सभी शिष्यों को 'सत्य वद्, धर्म चर' वाला सूत्रोपदेश दिया और सबके मंगलमय जीवन की कामना की। अंत में शिष्यों ने गुरुचरणों से विदा ली।

ख. एक दिन जब दूध के नाम पर चावल का घोल बनाकर माँ रोते हुए नन्हें अश्वत्थामा को बहला रही थी, यह देख गुरु द्रोणाचार्य का धैर्य का बाँध टूट गया।

ग. द्रोण द्वारा एक गाय की माँग करने पर द्रुपद ने अहंकारी स्वर में कहा कि "मित्रता समान स्तर के व्यक्तियों में होती है। एक राजा और रंक में केसी मैत्री?"

घ. द्रोणाचार्य ने गुरुदक्षिणा में शिष्यों से पांचाल नरेश द्रुपद को बंदी बनाकर लाने की माँ की।

ङ. पितामाह की पारखी नजरों ने देख लिया था कि द्रोणाचार्य राजकुमारों को अस्त्र-शस्त्र संचालन की उच्च शिक्षा दे सकते हैं क्योंकि द्रोण ने धनुर्विधा के कौशल से बालकों की गेंद कुएँ से बाहर निकाली थी।

च. आचार्य द्रोण ने अपने शिष्यों द्वारा राजा द्रुपद को बंदी बनाकर उसके राज्य पर अधिकार कर लिया। फिर उन्होंने द्रुपद से कहा कि ''मैं अपने राज्य का आधा भाग तुम्हें दे रहा हूँ जिससे तुम मेरी मित्रता के योग्य बन सको।''

भाषा-बोधन

क. निम्नलिखित शब्दों से भाववाचक संज्ञा शब्द बनाइए -

शब्द	भाववाचक संज्ञा	शब्द	भाववाचक संज्ञा
सभ्य	सभ्यता	सौम्य	सौम्यता
शून्य	शून्यता	ऊँचा	ऊँचाई
कुशल	कुशलता	मित्र	मित्रता

ख. निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त कारक चिन्ह का नाम बताइए-

कारक चिन्ह	कारक चिह्न का नाम
1. से	कारण
2. को	कर्म
3. ने	कर्ता
4. के लिए	अपादान

आपकी कलम से

क. व ख स्वयं कीजिए।